

स्कूटी सवार महिला के लिए बेकाबू ट्रैक्टर बना काल, इलाके में मचा बवाल

तहसीलदार, एसडीओपी व थानेदार को बंधक बनाकर फूँका ट्रैक्टर और जनरेटर

■ 8 घंटे से शव सड़क पर रखकर कर रहे प्रदर्शन, सड़क जाम रहने से बड़ी परेशानी

छ.ग.फ्रंटलाइन
सूरजपुर/चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के ग्राम पंचायत कुबेरपुर में अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से स्कूटी सवार महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर मार्ग जाम कर दिया। करीब 8 घण्टे से ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन

और चक्काजाम जारी है। भड़के ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे तहसीलदार, एसडीओपी और नगर निरीक्षक को घेरकर रखा है। वहीं क्रेसर के जीडी जनरेटर व ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया है। ग्रामीणों के सड़क जाम करने से मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है और सड़क पर वाहनों की कतारें लग गई हैं। सूरजपुर-विश्रामपुर मार्ग में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक छात्रा की दर्दनाक मौत से शोक का माहौल रहा। इस



घटना के 24 घण्टे भी नहीं बीते थे कि बिहारपुर में पत्थर लोड ट्रैक्टर ने एक महिला की जान ले ली। बताया जा रहा है कि कुबेरपुर निवासी संजय जायसवाल की पत्नी चंद्रावती जायसवाल शनिवार को दोपहर को बिहारपुर चौक से पूजा का सामान लेकर अपनी स्कूटी से घर लौट रही थीं। इसी दौरान गांव की बस्ती में चल रहे पाटक क्रेशर से एक गिट्टी लोड ट्रैक्टर अनियंत्रित रफ्तार से निकला और स्कूटी सवार महिला को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ट्रैक्टर का पहिया स्कूटी सवार महिला चंद्रावती के ऊपर से



निकल गया, जिससे महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर लेकर चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद से पूरे चांदनी क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। आक्रोशित ग्रामीणों ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ को

आक्रोश को देखते हुए पुलिस फोर्स बुलाई गई

गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर तहसीलदार के.सी. जाटवर, एसडीओपी, निरीक्षक को बंधक बना रखा है। वही क्रेसर में के डीजी जनरेटर व ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया है। शव दुर्घटना स्थल पर ही रखा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी क्रेशर की ट्रैक्टर से 2-3 मौतें हो चुकी हैं। इनके समर्थन में पूरा गांव उमड़ पड़ा है। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए मौके पर पुलिस फोर्स बुलाई गई है। वहीं आसपास थाना व चौकी की पुलिस टीम भी मौके के लिए रवाना हो गई है। समाचार लिखे जाने तक रोड जाम जारी था। तहसीलदार के.सी. जाटवर ने जांच, कार्रवाई का भरोसा दिलाया पर ग्रामीण अपनी जिह पर अड़े हुए हैं।

परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि, जब तक शासन-प्रशासन उनकी मांगें नहीं मानेगा, तब तक चक्काजाम खत्म नहीं होगा। घटना के घण्टों बाद तक मौके पर कोई प्रशासनिक अधिकारी के नहीं पहुंचने से ग्रामीण और उत्तेजित हो गए थे। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों को समझने का प्रयास भी किया मगर भड़के ग्रामीण नहीं माने।

जगराता के लिए सड़क किए थे अवरुद्ध, रस्सी से उलझे बाइक सवार, 01 की मौत

कोतवाली पहुंचे लोगों ने लगाया लापरवाही का आरोप, दो के विरुद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के जयस्तंभ चौक में जगराता कार्यक्रम के लिए की गई व्यवस्था और रस्सी लगाकर अवरुद्ध किए गए मार्ग में कथित रूप से संकेतकों की अनदेखी के कारण बाइक सवार एक युवक की जान चली गई, दूसरे को सामान्य चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि, बाइक सवार काफी रफ्तार में थे, इन्हें ट्रैफिक के सिपाही ने रास्ता बंद है, बताते हुए रोकने का प्रयास भी किया लेकिन वे नहीं रुके और दुर्घटना का शिकार हो गए। निजी अस्पताल में युवक के मौत की पुष्टि के बाद लोगों का हुजूम देर रात कोतवाली थाने पहुंचा और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की, जिस पर पुलिस ने दो लोगों के विरुद्ध नामजद गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद आयोजकों ने जगराता कार्यक्रम स्थगित कर दिया, और घटना में मृत युवक के प्रति संवेदना व्यक्त की।



जामा मस्जिद होकर जाने वाले मार्ग को खुला छोड़ा गया था, वहीं अग्रसेन चौक से जयस्तंभ चौक की ओर जाने वाले मार्ग में याम्हा शो रूम के पास बंद पड़े एक दुकान, मकान के ग़्रिल से पीले रंग की मोटी रस्सी बांधकर मार्ग अवरुद्ध किया गया था। जगराता शुरू हो पाता, इसी बीच शाम करीब 6.30 बजे के बीच अग्रसेन चौक की ओर से पहुंचे हाईस्पीड बाइक में सवार युवक रस्सी से उलझकर गिर गए। इस दौरान याम्हा शोरूम खुला था और एक व्यक्ति बाहर बैठा था।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो, रफ्तार इतनी तेज थी कि हवा में उछली बाइक के साथ सवार सड़क पर फेंका गए। गाड़ी भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। आवाज सुनकर अग्रसेन चौक में मौजूद यातायात पुलिस कर्मी के अलावा जागृति नवयुवक मंडल के कार्यकर्ता दौड़ते घटनास्थल पहुंचे, तो एक युवक की स्थिति गंभीर थी। पीछे बैठा युवक भी जखमी हुआ था। घायलों को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल भेजा गया, यहां के आपातकालीन चिकित्सा परिसर से स्वजन घायल फैजान को निजी अस्पताल ले गए, यहां

जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आक्रोश बढ़ा और लोगों का हुजूम कोतवाली थाने पहुंच गया। पुलिस ने इनकी बातों को सुनने के बाद आयोजन समिति के दो पदाधिकारियों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है, और मामले की जांच कर रही है।

भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने किया केस दर्ज

चिकित्सक के द्वारा युवक के मौत की पुष्टि करने के बाद मृतक की ओर से उसके भाई



मायापुर निवासी मो. अरबाज आलम पिता मो. अय्युब शाह ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि, 16 अक्टूबर को शाम करीब 6.50 बजे उसे मोबाइल में सूचना मिला कि उसका भाई फैजान और उसका साथी समीर जयस्तंभ चौक में, याम्हा शोरूम के पास रोड में गिरे हुए हैं। जब वह मौके पर गया तो दोनों सड़क पर गिरे थे। फैजान के गले में रस्सी, जीआई तार और बिजली का तार फंसा हुआ था, उसके गले में बिजली

करंट से जलने का काला निशान था। दोनों को मौके पर उपस्थित लोगों की सहायता से जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर गया। जांच के बाद चिकित्सक ने समीर की स्थिति सामान्य और फैजान की स्थिति नाजुक बताई। इसके बाद फैजान को वे संजीवनी अस्पताल ले गए, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। अरबाज ने दर्ज रिपोर्ट में भाई की मृत्यु का कारण बिना किसी संकेत और लाइट साधन के रस्सी, जीआई तार और बिजली तार लगाना बताया है, और इसका जिम्मेदार जागृति नवयुवक मंडल के सुरेश कर्नौजिया और संदीप अग्रवाल को ठहराया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध धारा 106(1), 125(ए), 3(5) का मामला दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

रस्सी तो टूटी ही, लोहे का ग्रील भी टूट गया



जयस्तंभ चौक में हर वर्ष की भांति जगराता के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। एहतियात बतौर उन्होंने अग्रसेन चौक की ओर से आने वाले मार्ग को मोटी रस्सी लगाकर अवरुद्ध कर दिया था। शाम करीब 6.30 से 7 बजे के बीच हाईस्पीड बाइक में सवार दो युवक जब जयस्तंभ चौक की ओर आने को हुए तो ट्रैफिक की महिला सिपाही ने इन्हें रास्ता बंद है, कहते हुए आगे जाने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन ये नहीं माने और आगे आकर तेज रफ्तार में रस्सी से उलझकर गिर गए। घायलों को सामने देखकर उन्होंने एंबुलेंस के लिए फोन किया। विलम्ब होते देखकर वे ऑटो से घायलों को अस्पताल रवाना किया। दूसरे युवक की स्थिति नार्मल प्रतीत थी, जो पीछे बैठा था। इन्होंने बताया कि अन्य व्यक्ति रास्ता बंद देखकर अपनी बाइक को मोड़कर वापस हो ले रहे थे, लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि तेज रफ्तार होने के कारण इनकी बाइक नहीं रुकी और दोनों रस्सी से उलझकर गिर गए, जिसमें रस्सी तो टूटी ही, लोहे का ग्रील तक टूटकर बाहर निकल गया।

स्कूटी से मां दुर्गा का दर्शन करने पंडाल में पहुंचे पर्यटन मंत्री

सादगी भरा अंदाज हुआ वायरल, सहज भाव में लोगों से की मुलाकात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नवरात्रि के पावन अवसर पर अंबिकापुर शहर के विभिन्न दुर्गा पंडालों का दर्शन किया। इस दौरान उनका बेहद सादगी भरा अंदाज देखने को मिला। मंत्री राजेश अग्रवाल बिना किसी बड़े काफिले और तामशाम के स्कूटी से शहर का भ्रमण करते हुए माता के दरबार में पहुंचे। मंत्री ने सबसे पहले शहर के हृदय स्थल सदर रोड स्थित दुर्गा पंडाल में पहुंचकर माता रानी की प्रतिमा का दर्शन किया और प्रदेश के सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया।



इसके बाद उन्होंने शहर के अन्य प्रमुख दुर्गा पंडालों में भी जाकर माता के दर्शन किए। दर्शन के दौरान मंत्री ने आम लोगों से आत्मीय मुलाकात की। वे सड़क पर ही रुककर लोगों से हालचाल

पूछते नजर आए। शहर के लोगों, विशेषकर बच्चों और युवाओं में मंत्री को अपने बीच देखकर खासा उत्साह दिखा। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचीवाईं। मंत्री ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मंत्री राजेश अग्रवाल का स्कूटी पर सवार होकर दुर्गा पंडालों में दर्शन करने का यह अंदाज तेजी से वायरल हो रहा है, लोग उनकी सादगी और



जमीन से जुड़े व्यक्तित्व की सराहना कर रहे हैं। आमतौर पर मंत्रियों को बड़े काफिले और सुरक्षा घेरे में देखा जाता है, लेकिन राजेश अग्रवाल का आम नागरिक की तरह स्कूटी से शहर भ्रमण उन्हें सुखियों में ला दिया है। हालांकि, इस तरह का सरल व्यवहार ही उन्हें आम जन से जोड़ता है।

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026

ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं सूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य

भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग

शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30

रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

C

M

Y

K

दुर्गा सप्तमी पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

बेल पूजा के बाद खुले दुर्गा पंडालों के पट, मंदिरों में भंडारा और छप्पन भोग का आयोजन



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। शारदीय नवरात्र की सप्तमी तिथि पर कोयलांचल सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में माता की भक्ति की धूम रही। सुबह से ही देवी मंदिरों और आकर्षक दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बेल पूजा के बाद पंडालों में मां दुर्गा प्रतिमा के पट खुलते ही मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना का सिलसिला शुरू हो गया। जयकारों और भक्ति गीतों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्र आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर और स्वयंभू मां कालरात्रि मंदिर केनापारा में विधि-विधान से पूजा-अर्चना

व मातारानी का विशेष श्रृंगार के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं मां समलेश्वरी महामाया मंदिर परिसर में शनिवार की शाम देवी जागरण एवं गरबा महोत्सव ने श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। नगर के गौरीशंकर मंदिर प्रांगण, बंगाली क्लब क ल च र ल एसोसिएशन, अंबेडकर चौक स्थित जय भवानी दुर्गा पूजा समिति और बस स्टैंड के श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर, कुमदा कालोनी सहित सिलफिली, अजबनगर, लटोरी, रामनगर, कंदरई जोगी माड़ा, राजापुर और डेडरी के पंडालों

में भी भक्तों की चहल-पहल रही। गौरीशंकर मंदिर प्रांगण व बंगाली क्लब कल्चरल डांडिया गरबा महोत्सव आयोजित होगा। शारदीय नवरात्र के अंतिम चरण में धार्मिक आयोजनों, भंडारे और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने कोयलांचल की रौनक बढ़ा दी है। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक श्रद्धालु मां के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं।



निकाली गई शोभायात्रा
शारदीय नवरात्र पर सप्तमी तिथि को अंबेडकर चौक स्थित जय भवानी दुर्गा पूजा समिति द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू करने के पूर्व शनिवार की सुबह अंबेडकर

चौक से गौरीशंकर मंदिर प्रांगण स्थित तालाब से जल उठाकर अंबेडकर चौक तक शोभायात्रा निकाली गई।
विजयादशमी को होगा रावण दहन
शारदीय नवरात्र में पूजा अर्चना व हवन पाठ उपरांत विजयादशमी को नगर के दशहरा मैदान, कुमदा कालोनी, केनापारा समलेश्वरी महामाया मंदिर प्रांगण, लटोरी, रामनगर, कंदरई, राजापुर, डेडरी में भव्य आतिशबाजी के साथ विशालकाय रावण के पुतले का दहन कार्यक्रम मंगलवार 20 अक्टूबर को किया जाएगा। इसके लिए कारीगरों द्वारा रावण का पुतला तैयार करने युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

रामनगर में 27 से होगी संगीतमय श्रीराम कथा, प्राची देवी करेंगी कथा वाचन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत रामनगर में राधा कृष्ण सेवा समिति के तत्वावधान में संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पूज्य प्राची देवी के मुखारविंद से श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का श्रवण करेंगे। आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम की शुरुआत 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजे कलशयात्रा के साथ होगी।



इसके बाद 27 अक्टूबर से प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक श्रीराम कथा होगी। 5 नवंबर को सुबह 8 बजे हवन एवं पूर्णाहुति के साथ धार्मिक अनुष्ठान का समापन होगा। कथा के पहले दिन 27 अक्टूबर को मंगलाचरण एवं राम नाम की महिमा का वर्णन होगा। 28 अक्टूबर को भारद्वाज-याज्ञवल्क्य मिलन, सती चरित्र और शिव-पार्वती विवाह, जबकि 29 अक्टूबर को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया जाएगा। 30 अक्टूबर को विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा

एवं सीता स्वयंवर और 31 अक्टूबर को श्रीराम विवाह, अयोध्या आगमन एवं अयोध्या कांड का वर्णन होगा। इसी क्रम में 1 नवंबर को वनगमन एवं भरत मिलाप, 2 नवंबर को अरण्य कांड, 3 नवंबर को अरण्य एवं किष्किंधा कांड तथा 4 नवंबर को सुंदरकांड, रावण वध और भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की कथा सुनाई जाएगी। आयोजन समिति ने आमजनों से आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

शत-प्रतिशत त्रुटिरहित गिरदावरी के लिए बलरामपुर में 99 अधिकारी करेंगे खसरो का भौतिक सत्यापन

★ फसल रिकॉर्ड की सटीकता के लिए बलरामपुर में अधिकारियों की जिम्मेदारी तय ★ खेत-खेत पहुँचेगा प्रशासन: बलरामपुर में बहुस्तरीय सत्यापन से होगी शत-प्रतिशत त्रुटिरहित गिरदावरी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में गिरदावरी एवं ई-गिरदावरी का कार्य शत-प्रतिशत और त्रुटिरहित सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा खसरो के भौतिक सत्यापन का आदेश जारी किया गया है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार जिला, अनुभाग एवं तहसील स्तर के अधिकारियों को अलग-अलग प्रतिशत में खसरो की जाँच का दायित्व सौंपा गया है।

आदेश के तहत कलेक्टर, वनमंडलाधिकारी और जिला पंचायत सीईओ सहित 39 जिला स्तरीय अधिकारी अपनी-अपनी तहसील के आवंटित ग्रामों में 1 प्रतिशत खसरो का सत्यापन करेंगे। इसी प्रकार 5 अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अपने प्रभार क्षेत्र में 5 प्रतिशत, 19 तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार 10 प्रतिशत तथा 13 कृषि विस्तार अधिकारी और 23 राजस्व निरीक्षक 25-

25 प्रतिशत खसरो की जाँच करेंगे। सभी अधिकारियों को आवंटित ग्रामों के खसरो का सत्यापन कर निर्धारित प्रारूप में जानकारी कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। बहुस्तरीय सत्यापन की इस व्यवस्था से फसल रिकॉर्ड की सटीकता सुनिश्चित होगी और किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक फसल स्थिति के आधार पर मिल सकेगा।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण

12 नवंबर को प्रारूप प्रकाशन, कलेक्टर ने की पात्र नागरिकों से नाम जुड़वाने की अपील

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 1 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर छत्तीसगढ़ में फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा। इसका उद्देश्य छूटे हुए सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं और पहली बार मतदाता बनने वालों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के तहत 2 नवंबर तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण होगा और 12 नवंबर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दावे-आपत्तियाँ 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक ली जाएँगी, जिनका निराकरण 28 दिसंबर तक होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवाओं के साथ 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को पात्र होने वाले नागरिक भी अग्रिम आवेदन कर सकेंगे। नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 (प्रवासी मतदाताओं के लिए 6ए), नाम हटाने या आपत्ति के लिए फॉर्म-7 तथा संशोधन, स्थानांतरण व दिव्यांग चिह्नकन के लिए फॉर्म-8 भरना



EPIC डाउनलोड करने और बुक ए कॉल विड बीएलओ के जरिए बुथ लेवल अधिकारी से संपर्क करने की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1,200 मतदाता रहेंगे और केंद्र निवास से 2 किलोमीटर के दायरे में भू-तल पर स्थापित होंगे। वरिष्ठ नागरिकों,

दिव्यांगजनों, महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए विशेष शिफ्ट व हेल्प डेस्क लगाए जाएँगे। ईआरओ के निर्णय के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24(ए) के तहत जिला मजिस्ट्रेट और धारा 24(बी) के तहत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील की जा सकेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे 12 नवंबर को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण अवश्य जांच लें। उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र की नींव त्रुटिरहित मतदाता सूची है, इसलिए नाम छूटने या विवरण में त्रुटि होने पर निर्धारित अवधि में दावा-आपत्ति अवश्य प्रस्तुत करें। उन्होंने 18 वर्ष पूरे कर रहे युवाओं से विशेष रूप से पंजीकरण कराने का आग्रह किया। मतदाता पंजीकरण से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 1950 या www.ceochhattisgarh.nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। केशवनगर निवासी महिला शिक्षिका रजनी बरेठ और उनके नाबालिग बेटे सुजल बरेठ की हत्या के आठवें दिन भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है, लेकिन अब तक हत्याकांड की गुत्थी नहीं सुलझ सकी है। पुलिस अब कॉल डिटेल को बारीकी से खंगालने के साथ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। वहीं, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल स्वयं जांच की निगरानी कर रहे हैं और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। घटना के बाद से मृतकों के मोबाइल फोन बरामद नहीं होने

के कारण भी जांच में मुश्किलें आ रही हैं। पुलिस मृतका के पारिवारिक विवाद, निजी जीवन और परिचितों से जुड़े पहलुओं की पड़ताल कर रही है। अब तक दर्जनों लोगों से पूछताछ की जा चुकी है, लेकिन पुलिस किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है।
12 साल पहले भी हुई थी ऐसी वारदात
बिश्रामपुर में करीब 12 वर्ष पहले 12 नवंबर 2014 को भी इसी तरह सरस्वती शिशु मंदिर के ग्यारहवीं कक्षा के छात्र रौनक धा भाई की घर से ट्यूशन जाते उसकी हत्या कर दी गई थी जिसका शव विद्यालय की चाहर दीवारी के पास पड़ा मिला था

तब इसी तरह का एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया था। उस अंधे हत्याकांड को सुलझाने में पुलिस को काफी मशक़त करनी पड़ी थी। लगातार जांच के बाद आठवें दिन पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर मामले का खुलासा किया था। पूछताछ में फिरीती के लिए हत्या किए जाने की बात सामने आई थी। मामले में तीन अपचारी बालकों सहित एक आरोपी को पकड़कर पुलिस ने न्यायालय में पेश किया था। घटना से नगर में आक्रोश फैल गया था, जो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शांत हुआ था।
सुनियोजित वारदात की आशंका
वर्तमान मामले में भी पुलिस

सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वारदात को जिस तरीके से अंजाम दिया गया और अब तक ठोस सुराग नहीं मिले हैं, उससे जांच की चुनौती बढ़ गई है। पुलिस संदिग्धों की गतिविधियों, आपसी संबंधों और मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर कड़ियां जोड़ने में जुटी है। फिलहाल मां-बेटे की हत्या की वजह और आरोपियों की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस को उम्मीद है कि तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर जल्द ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों, शैक्षणिक संस्थानों और आजीविका गतिविधियों का किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने आज जनपद पंचायत बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत ओबरी, जवाहरनगर, सुरा, जरहाडीह सहित अन्य ग्राम पंचायतों का दौरा कर विभिन्न योजनाओं के तहत पूर्ण एवं निर्माणाधीन विकास कार्यों, शासकीय विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत ओबरी में सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने पुलिस निर्माण, शिव मंदिर के पास तटबंध निर्माण और शेड निर्माण सहित आंगनबाड़ी भवन, जहाँ केंद्र संचालित पाया गया, तथा प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उनमें निरंतर सुधार के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत जरहाडीह में विकसित भारत-

निर्देशित किया। ग्राम पंचायत जवाहरनगर में उन्होंने एनआरएलएम के तहत महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित मछली पालन, किराना दुकान, कपड़े की दुकान और श्रृंगार स्टोर जैसी स्वरोजगार गतिविधियों को देखा। शीतल महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती उमा रानी गोलदार ने बताया कि वे इन गतिविधियों से प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपये की आय अर्जित कर परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। गतिविधियों के विस्तार के लिए उन्होंने एनआरएलएम से 5 लाख रुपये का ऋण भी लिया है। सीईओ ने समूह की महिलाओं को नियमित आय बढ़ाने और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी ग्राम में उन्होंने नवीन आंगनबाड़ी भवन, जहाँ केंद्र संचालित पाया गया, तथा प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उनमें निरंतर सुधार के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत जरहाडीह में विकसित भारत-

रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन के अंतर्गत हितग्राही श्री अनिल के निर्माणाधीन डबरी कार्य का निरीक्षण किया गया, जहाँ 44 मजदूर कार्यरत मिले। सीईओ ने कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक श्रमिकों को नियोजित करने तथा एनएमएमएस ऐप के माध्यम से शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक को पर्याप्त श्रमिकों की उपस्थिति सुनिश्चित कर कार्य में गति लाने और शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने को कहा। निरीक्षण के अंत में सीईओ ने मैदानी अमले को जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने, शासकीय संस्थानों में बेहतर व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने तथा एनआरएलएम के माध्यम से सशक्त बनाने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया।

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य शासन एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार पशुधन विकास विभाग द्वारा जिले में पीपीआर (पेस्ट डेस पेटिटस रूमिनेंट्स) और एलएसडी (लम्पी स्किन डिजीज) से बचाव के लिए सघन टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। बकरियों एवं भेड़ों में पीपीआर टीकाकरण 20 सितंबर से 07 नवंबर 2026 तक तथा गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशुओं में एलएसडी टीकाकरण 1 अगस्त से 31 अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा। विभाग द्वारा अब तक 2 लाख 25 हजार 717 बकरियों-भेड़ों में पीपीआर तथा 3 लाख 35 हजार 695 गौवंशीय-भैंसवंशीय पशुओं में

एलएसडी का टीकाकरण पूर्ण किया जा चुका है। पीपीआर बकरियों और भेड़ों में होने वाली अत्यंत संक्रामक एवं घातक विषाणुजनित बीमारी है, जिसे बकरी प्लेग भी कहा जाता है। यह संक्रमित पशुओं के संपर्क में आने तथा उनकी लार, छींक और खांसी की बूंदों से स्वस्थ पशुओं में फैलती है। तेज बुखार, मुंह में घाव व छाले, दस्त, मुंह-नाक से पानी बहना और अत्यधिक कमजोरी इसके प्रमुख लक्षण हैं। वहीं लम्पी स्किन डिजीज मुख्य रूप से गाय और भैंसों को प्रभावित करने वाला विषाणुजनित संक्रामक रोग है, जिसमें तेज बुखार, त्वचा पर कठोर उभरी गाँठें, पैरों व थनों में सूजन,

आंख-नाक से पानी बहना और आहार में अचानक कमी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर संक्रमित पशु को तुरंत अलग करने तथा उसके चारे-पानी की व्यवस्था स्वस्थ पशुओं से पृथक रखने की सलाह दी गई है। विभाग के अनुसार टीकाकरण इन बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। इससे महामारी की स्थिति में पशुओं की अचानक मृत्यु तथा महंगे उपचार के खर्च से बचा जा सकता है और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान नहीं उठाना पड़ता। नियमित टीकाकरण और उचित देखभाल से दूध, अंडा, मांस जैसे उत्पादों की गुणवत्ता भी बेहतर होती है,

जिससे पशुपालकों की आमदनी में निरंतर वृद्धि होती है। पशुधन विकास विभाग और मोबाइल वेटरनरी यूनिट द्वारा जिले भर में टीकाकरण का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं क्रियान्वयन किया जा रहा है। पशुपालक टीकाकरण एवं उपचार संबंधी जानकारी के लिए नजदीकी पशु चिकित्सालय या मोबाइल वेटरनरी यूनिट के टोल फ्री नंबर 1962 पर संपर्क कर सकते हैं। उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ ने जिले के पशुपालकों से अपने पशुओं का अनुवार्थ रूप से टीकाकरण कराने तथा विभागीय अमले को सहयोग देने की अपील की है।

दो-दो मंत्री फिर भी स्वास्थ्य बेहाल!

रामचंद्रपुर में ग्रामीणों के आरोपों पर जिला प्रशासन कब जागेगा?

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। सरकारी स्वास्थ्य केंद्र का उद्देश्य ग्रामीणों को समय पर इलाज और जरूरी दवाएं उपलब्ध कराना है, लेकिन रामचंद्रपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को लेकर सामने आई शिकायतों ने इन खुनियादी सुविधाओं पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने केंद्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ. धनंजय कुमार चंद्रा पर ड्यूटी से गायब रहने,

आपातकाल में फोन नहीं उठाने, मरीजों से अभद्र व्यवहार करने और सरकारी दवाएं उपलब्ध नहीं करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ताओं ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनपद पंचायत अध्यक्ष को लिखित आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

ड्यूटी से नदारद और अमर्द व्यवहार का आरोप
ग्रामीणों का आरोप है कि प्रभारी चिकित्सक नियमित रूप से मुख्यालय में उपलब्ध नहीं रहते। मरीज या परिजन सवाल करते हैं तो संतोषजनक



जवाब के बजाय डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है। आपातकालीन स्थिति में फोन करने पर कॉल नहीं उठाने और वापस कॉल नहीं करने की शिकायत भी है। ऐसे में रात में तबीयत बिगड़ने पर परिजनों के सामने इलाज की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाता है। शिकायत में रामचंद्रपुर, चेरवाडीह, चरगढ़, हरिहरपुर और अनिरुद्धपुर के सरपंचों सहित बजरंगी प्रसाद गुप्ता, अर्जुन सिंह, संता सिंह, गिरवर सिंह सहित दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

सरकारी दवाएं रहते हुए बाजार से खरीदने का आरोप

शिकायत में दवाओं के वितरण पर भी सवाल उठे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मरीजों को पर्ची लिखकर बाहर की दुकानों से दवाएं खरीदने को कहा जाता है, जबकि शासन से दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। आरोप है कि एंटी रेबीज और एंटी स्नेक वेनम जैसी आपातकालीन दवाएं स्वास्थ्य केंद्र में रखने के बजाय चिकित्सक के निवास पर रखी जाती हैं और रात में जरूरत पड़ने पर मरीजों के परिजनों को

डांटकर लौटा दिया जाता है। कुछ मरीजों को समुचित जांच के बिना ही दूसरे अस्पताल रेफर करने का भी आरोप है।

गर्भवती महिलाओं के पोषण आहार पर सवाल

मितानिनों के हवाले से शिकायत में कहा गया है कि गर्भवती महिलाओं को जांच के दौरान दिया जाने वाला पौष्टिक गर्म आहार पहले भी सभी पात्र महिलाओं को नहीं मिल पाता था। सामग्री खत्म होने की बात कहकर वापस लौटा दिया जाता था, अब यह सुविधा पूरी तरह बंद होने का आरोप है।

निगरानी पर सवाल, जवाबदेही तय करने की मांग

ग्रामीणों की शिकायत ने स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली के साथ विभागीय निगरानी पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि शिकायतें लंबे समय से थीं तो पहले कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या कभी औचक निरीक्षण हुआ? फिलहाल ग्रामीणों ने लिखित शिकायत देकर अपनी बात प्रशासन तक पहुंचा दी है। संबंधित चिकित्सक का पक्ष, स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रिया और प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पंडो जनजाति पर बेदखली की तलवार, छिंदिया में 8 साल से बसेरा, अब नोटिस से परेशान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। तस्वीर में दिख रहे ये लोग कोई आम परिवार नहीं, बल्कि महामहिम राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो समुदाय के सदस्य हैं। लगभग 20-25 सदस्य वाले 4 परिवार पिछले 8-9 साल से ग्राम छिंदिया, ब्लॉक रामानुजगंज, जिला सूरजपुर में सरकारी जमीन पर झोपड़ी बनाकर किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं। इनके नाम पर कहीं भी पैतृक भूमि नहीं है। इनका बसेरा अस्थायी है, जहां टिके रहे वहीं घर, भगा दिए गए तो कहीं और आशियाना। जानकारी मिलने पर इन परिवारों ने वन भूमि पट्टे के लिए ग्राम पंचायत में आवेदन किया था।



जांच के बाद रामा पंडो सहित अन्य सदस्यों को 0.6000 हेक्टेयर का वन अधिकार पट्टा प्रदान किया गया है लेकिन इसी बीच मंगल राम, रामचरण और सुखदेव के नाम पर कार्यालय वन मंडलाधिकारी, सूरजपुर से बेजा कब्जा हटाने और बेदखल करने की नोटिस जारी कर दी गई। नोटिस मिलते ही पंडो परिवार परेशान हो गया।

परिवारों ने कहा पट्टे वाली जमीन पर कब्जा दिलाओ, बेजा कब्जा छोड़ देंगे

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से सलाह लेकर पंडो परिवार ने वन मंडलाधिकारी सूरजपुर के नोटिस का लिखित जवाब दिया है। जवाब में उन्होंने स्पष्ट लिखा है

कि -रहमें जो वन अधिकार पट्टा मिला है, उसी के अनुसार जमीन पर कब्जा दिलाया जाए। हम स्वतः ही बेजा कब्जे वाली जमीन को छोड़ देंगे। परिवारों का कहना है कि वे शासन की जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहते, बल्कि उन्हें जो हक मिला है, वहीं बसना चाहते हैं।

वन विभाग ने दिया जांच का आश्वासन

इस संबंध में जब वन परिक्षेत्राधिकारी, प्रेमनगर से बात की गई तो उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मौके पर जांच टीम भेजकर पट्टे के अनुसार भूमि का सीमांकन और चिन्हांकन किया जाएगा। उसके बाद नियमानुसार कब्जा दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। विकासखंड रामानुजगंज में सेवा संकल्प अभियान के तहत आज शासकीय महाविद्यालय रामानुजगंज में युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर 'मोबाइल वरदान या अभिशाप' विषय पर पक्ष और विपक्ष में जोरदार वाद-विवाद हुआ। विद्यार्थियों ने प्रभावशाली ढंग से अपने विचार रखे। प्रतिभागियों ने बताया कि मोबाइल शिक्षा, सूचना और संचार का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन इसका अनियंत्रित उपयोग पढ़ाई और दिनचर्या को प्रभावित भी



करता है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पक्ष और विपक्ष दोनों के प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया।

अधिकारियों ने दिया सफलता का मंत्र

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सेंगर एवं

विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहें और पूरी लगन व मेहनत से पढ़ाई करें। शिक्षा के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही सफलता मिलती है। उन्होंने लक्ष्य निर्धारित कर करियर

निर्माण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बीआरसी विजय साहू, बीपीओ रविनाथ तिवारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य रामकुमार साहू ने आभार व्यक्त किया, जबकि सफल संचालन व्याख्याता गोपाल सिंह ने किया।

कृषक उन्नति योजना से बदली सुनील की खेती की सोच, धान छोड़कर की अदरक की खेती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। परंपरागत धान की खेती से हटकर फसल विविधीकरण की ओर किसानों का रुझान बढ़ रहा है। कृषक उन्नति योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है। इसी कड़ी में अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम दरिमा के किसान सुनील कुमार सिंह ने इस साल एक एकड़ में धान की जगह अदरक की खेती की है। किसान सुनील बताते हैं कि पिछले साल तक वे धान लगाते थे। इस बार कृषि विभाग के ग्राम सेवक से कृषक उन्नति योजना की जानकारी मिली तो अदरक लगाने का निर्णय लिया। वर्तमान में फसल



की स्थिति अच्छी है और बेहतर उत्पादन की उम्मीद है।

15 हजार की प्रोत्साहन राशि से लागत में राहत

योजना के तहत एक एकड़ में फसल विविधीकरण करने पर सुनील को 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी, जिससे खेती की लागत कम होगी किसान ने बताया कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन से नई फसल अपनाने का साहस मिला। अदरक की अच्छी बढ़त से वे संतुष्ट हैं। कृषक उन्नति योजना से किसानों को धान के अलावा अन्य लाभकारी फसलों की ओर बढ़ने का अवसर मिल रहा है। किसान सुनील ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

आजीविका डबरी बनी आमदनी का जरिया, लरंग साय ने मछली पालन से कमाए 20 हजार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। खेत की डबरी अब सिर्फ पानी बचाने का साधन नहीं, बल्कि अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन रही है। सेवा संकल्प अभियान के तहत अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकालो में ग्रामीण लरंग साय ने इसकी मिसाल पेश की है। ग्रामीण आजीविका योजना के तहत शासन द्वारा उनके खेत में आजीविका डबरी का निर्माण कराया गया। डबरी बनने के बाद लरंग ने उसमें मछली पालन शुरू किया। पहली फसल में ही हुई अच्छी कमाई लरंग साय बताते हैं



कि तैयार मछलियों को बाजार में बेचकर उन्होंने अब तक 15 से 20 हजार रुपये की आय अर्जित की है। खेती के साथ मछली पालन से परिवार को

अतिरिक्त आमदनी का सहारा मिला है। पहली बार हुई कमाई से उत्साहित होकर उन्होंने डबरी में दोबारा मछली बीज डाला है। तैयार होने पर फिर बेचने की योजना है, जिससे आय और बढ़ेगी। लरंग का कहना है कि पहले डबरी नहीं होने से यह अवसर नहीं मिल पा रहा था। अब खेती के साथ आयमूलक गतिविधि जुड़ने से आर्थिक जरूरतें पूरी करने में मदद मिल रही है। उन्होंने डबरी निर्माण और रोजगार का अवसर मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

अल्ट्राटेक वर्कर्स यूनियन की नई कमेटी का गठन, सत्य देव सिंह बने अध्यक्ष

डाला, सोनभद्र। अल्ट्राटेक वर्कर्स यूनियन के नई कमेटी का चुनाव निवर्तमान अध्यक्ष रमेश सिंह की अध्यक्षता में डाला सेक्टर सी स्थित यूनियन कार्यालय पर बोले बृहस्पतिवार को एक आम सभा के दौरान यूनियन के निवर्तमान पदाधिकारियों व सदस्यों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। जिसमें यूनियन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्य देव सिंह उपाध्यक्ष विमल अतुल दास महामंत्री उपेन्द्र सिंह कोषाध्यक्ष विनेश गौतम संगठन मंत्री राजीव कुमार संयुक्त मंत्री मनोज कुमार कुशवाहा सहित पृथ्वीराज चौहान सर्वेश पांडे सुजीत कुमार रमेश चौधरी सहेंद्र सिंह को सर्वसम्मति से कार्यकारी सदस्य चुना गया। यूनियन के निवर्तमान अध्यक्ष रमेश सिंह सहित निवर्तमान पदाधिकारियों और मौके पर मौजूद दर्जनों श्रमिकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला-फूल पहनाकर स्वागत एवं सम्मान करते हुए बधाई व शुभकामनाएं दिया गया

छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के संभागीय चुनाव में डॉ. रजनीश 101 मतों से विजयी

तृतीय परिषद चुनाव में प्रदेश के पांचों संभागों से संघ के प्रत्याशियों ने हासिल की जीत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड के तृतीय परिषद चुनाव में छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ ने प्रदेश के सभी संभागों से अपने प्रत्याशी मैदान में उतारा था। इस चुनाव में संघ के प्रत्याशियों ने सक्रिय सहभागिता, संगठित प्रयासों और व्यापक जनसंपर्क के माध्यम से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। सरगुजा संभाग से संघ के प्रत्याशी डॉ. रजनीश जायसवाल ने 101 मतों के अंतर से विजय प्राप्त कर संभाग का गौरव बढ़ाया। परिषद का प्रमुख उद्देश्य आयुष चिकित्सकों के हितों की रक्षा करना, उनके अधिकारों को सुरक्षित रखना तथा आयुर्वेद, यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए कार्य करना है। ऐसे में परिषद चुनाव आयुष चिकित्सकों के प्रतिनिधित्व और उनके व्यावसायिक हितों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अवसर है।

सरगुजा संभाग में संघ की सक्रिय एवं प्रभावी भूमिका

सरगुजा संभाग में डॉ. रजनीश जायसवाल की जीत सुनिश्चित करने के लिए छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने

समन्वित प्रयास किए। संभाग के विभिन्न जिलों में संघ के पदाधिकारियों और चिकित्सकों ने अपने-अपने स्तर पर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए चुनाव अभियान को मजबूती प्रदान की। इस क्रम में सूरजपुर जिले से संघ के जिला शाखा अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, अंबिकापुर से डॉ. सुनील मंदीलवार, बलरामपुर जिले से डॉ. अवधेश साहू, कोरिया जिले से डॉ. अशोक मिंज, एमसीबी जिले से डॉ. तेजकांत सोनकर तथा जशपुर जिले से डॉ. प्रदीप पटेल ने चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई। इन सभी पदाधिकारियों एवं चिकित्सकों ने अपने-अपने जिलों में संघ के प्रत्याशी के समर्थन में समन्वय स्थापित करते हुए चुनावी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चुनाव संयोजक एवं सहयोगियों का योगदान

इस चुनाव में चुनाव संयोजक डॉ. श्रीकृष्ण त्रिपाठी सहित डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. कुलदीप द्विवेदी, डॉ. राजकुमार मिश्रा, डॉ. मुकेश माहौर, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. महेश त्रिपाठी, डॉ. लाल सिंह लोधी, डॉ. धनंजय, डॉ. मनोज सिंह तोमर तथा डॉ. राजेश यादव, डॉ. प्रभाकर तिवारी, डॉ. संदीप चंदेल, डा. एल. आर. भगत, डॉ. रविशंकर सिंह की भी महती भूमिका रही। इन सभी के समन्वय, सक्रियता और संगठनात्मक प्रयासों ने चुनाव अभियान को गति प्रदान की। संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सामूहिक प्रयासों के



माध्यम से आयुष चिकित्सकों के बीच संगठनात्मक एकजुटता और अपने प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का प्रयास किया। सरगुजा संभाग में प्राप्त यह विजय संघ की सक्रियता और चिकित्सक समुदाय के सहयोग का महत्वपूर्ण परिणाम मानी जा रही है।

प्रदेश के पांचों संभागों में संघ के प्रत्याशी रहे सफल

छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ के लिए यह चुनाव प्रदेशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। संघ की ओर से विभिन्न संभागों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों ने सफलता प्राप्त की। इनमें सरगुजा संभाग डॉ. रजनीश जायसवाल, बिलासपुर संभाग डॉ. निशांत कौशिक, रायपुर संभाग डॉ. ऐश्वर्या साहू, दुर्ग



संभाग डॉ. सुनील टंडन एवं बस्तर संभाग से डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर विजयी रहे। इन प्रत्याशियों की सफलता से परिषद में प्रदेश के विभिन्न संभागों के आयुष चिकित्सकों को प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। संघ को उम्मीद है कि नवनिर्वाचित प्रतिनिधि चिकित्सकों की समस्याओं, अधिकारों, सेवा संबंधी विषयों तथा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विकास से जुड़े मुद्दों को परिषद के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएंगे।

हितों की रक्षा के लिए संघ प्रतिबद्ध

संघ का मानना है कि परिषद में योग्य एवं सक्रिय प्रतिनिधियों की उपस्थिति से आयुष चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा तथा आयुष चिकित्सा पद्धतियों

को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल को बल मिलेगा। संघ ने चुनाव में सहभागिता निभाने वाले सभी चिकित्सकों, पदाधिकारियों, सहयोगियों एवं समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संगठनात्मक एकजुटता और सहयोग के माध्यम से आयुष चिकित्सकों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे परिषद में चिकित्सक समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे तथा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के सम्मान, विकास और चिकित्सकों के अधिकारों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

धर्मांतरण पर सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट रेखा

धर्म बदलने का अधिकार हर किसी को है, मगर धर्म परिवर्तन के आधार पर आरक्षण को किसी दूसरी श्रेणी में स्वतः प्रवेश का दावा नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला इसी महत्वपूर्ण अंतर को रेखांकित करता है। तमिलनाडु सरकार को झटका देते हुए शीर्ष अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। मामला इस्लाम अपनाने वाले लोगों को केवल धर्म परिवर्तन के आधार पर पिछड़े मुस्लिम वर्ग के तहत आरक्षण देने की सरकारी व्यवस्था से जुड़ा था। अदालत के इस रुख ने आरक्षण की पात्रता, संवैधानिक मर्यादा और राजनीतिक नीतियों की सीमाओं पर एक बार फिर बहस तेज कर दी है। आरक्षण कोई ऐसा दरवाजा नहीं, जिसकी चाबी केवल धर्म परिवर्तन हो। इसकी व्यवस्था ऐतिहासिक भेदभाव, सामाजिक वंचना और अवसरों की असमानता को दूर करने के लिए की गई है। इसका उद्देश्य उन समुदायों को आगे लाना है, जो लंबे समय तक सामाजिक व्यवस्था में पीछे रहे। ऐसे में किसी व्यक्ति का एक धार्मिक पहचान से दूसरी पहचान में जाना अपने आप उसे नए समुदाय की आरक्षण श्रेणी का पात्र नहीं बना सकता। पात्रता के लिए संबंधित वर्ग के निर्धारित मानकों को पूरा करना आवश्यक है। तमिलनाडु सरकार ने मार्च 2024 में ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिसके तहत विभिन्न पिछड़े और अन्य अधिसूचित समुदायों से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को पिछड़े मुस्लिम वर्ग के अंतर्गत प्रमाणपत्र देकर आरक्षण का लाभ देने का प्रावधान किया गया। मद्रास हाईकोर्ट ने इस व्यवस्था को रद्द कर दिया था। राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। यह घटनाक्रम बताता है कि सामाजिक न्याय के नाम पर बनाई गई सरकारी नीति भी संवैधानिक प्रावधानों और पात्रता के निर्धारित नियमों से ऊपर नहीं हो सकती। इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि आरक्षण की विभिन्न श्रेणियों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। अनुसूचित जाति का दर्जा संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत लागू प्रावधानों से नियंत्रित होता है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग की पहचान और पात्रता के अलग कानूनी आधार हैं। इसलिए यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि धर्म परिवर्तन करने वाला हर व्यक्ति हर प्रकार के आरक्षण से स्वतः बाहर हो जाता है। इस बहस का दूसरा पक्ष भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। धर्म परिवर्तन करने से किसी व्यक्ति की आर्थिक कमजोरी, सामाजिक वंचना या भेदभाव की परिस्थितियां समाप्त नहीं हो जातीं। किसी समुदाय को लाभ देने की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं; यह भी देखना होगा कि उस घोषणा का कानूनी आधार क्या है और उससे आरक्षण की मूल भावना पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि पात्रता के नियम अस्पष्ट होंगे, तो विवाद बढ़ेंगे, मुकदमेबाजी होंगी और वास्तविक जरूरतमंदों के हित प्रभावित होने का खतरा रहेगा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला यही संदेश देता है कि धर्म की स्वतंत्रता और आरक्षण की पात्रता दो अलग प्रश्न हैं। सामाजिक न्याय न राजनीतिक कृपा है, न मनमानी से बांटा जाने वाला लाभ। इसकी विश्वसनीयता तभी कायम रह सकती है, जब निष्पक्ष स्पष्ट हों, उनका पालन निष्पक्षता से हो और लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचे। यही आरक्षण व्यवस्था के प्रति समाज का भरोसा बनाए रखने की अनिवार्य शर्त भी।

विश्व खाद्य दिवस

रवि शंकर



भूख और कुपोषण

से जूझती दुनिया

विज्ञान और तकनीक एक तरफ देश में क्रांति ला रही है तो दूसरी तरफ हम मानव के जीवन की प्राथमिक जरूरत, भूख को पूरा नहीं कर पाए हैं। ये अपार प्राप्ति सबके लिए भोजन का प्रबंध नहीं कर पाई है। वहीं सामाजिक और आर्थिक विकास के पैमाने पर देखें तो भारत की एक विरोधाभासी तस्वीर उभरती है। एक तरफ तो हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े खाद्यान्न उत्पादक देश हैं तो दूसरी तरफ भूख और कुपोषण के तमाम आंकड़े सोचने के लिए मजबूर करते हैं। विकास के तमाम दावों के बावजूद भारत अभी भी गरीबी और भुखमरी जैसी बुनियादी समस्याओं की चपेट से पूरी तरह बाहर नहीं निकल सका है। सवाल ये है कि आजादी के करीब आठ दशक के बाद भी देश को भूख और कुपोषण जैसी समस्या से मुक्ति क्यों नहीं मिल पाई है? जबकि आजादी के बाद से भारत में खाद्यान्न के उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गई है। कुपोषण और भुखमरी का मसला अभी भी चुनौती बना हुआ है। बिहार और उत्तर प्रदेश इनमें सबसे आगे हैं। भारत में कुपोषण की समस्या कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा है। वास्तव में कुपोषण बहुत सारे सामाजिक-राजनीतिक कारणों का परिणाम है। जब भूख और गरीबी राजनीतिक एजेंडा की प्राथमिकता में नहीं होती तो बड़ी तादाद में कुपोषण सतह पर उभरता है। समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। अफि तु विश्व के कई देशों में खाने की भारी किल्लत है। खाद्यान्नों की कमी और बढ़ती जनसंख्या ने विश्व में ऐसी विकट स्थिति पैदा की है, जहां करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए अपना खून-पसीना एक करने को बेवस हैं। यही वजह है कि दुनियाभर में भोजन की कमी और भूख से हर साल करोड़ों जानें काल के गाल में समा जाती हैं। अहम सवाल है ये है कि क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हां हो, पर भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इसकी वजह है खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूं तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है। यों भी सच है कि यहां प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद भी होता है। एक अनुमान के मुताबिक हर साल लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। भूखी जनसंख्या इन खाद्यान्नों पर तार लगाए बैठी रह जाती है। इतना ही नहीं भारत में लाखों टन अनाज हर साल खुले में सड़ जाता है। यह सब ऐसे समय हो रहा है जब देश का एक बड़ा तबका भूखे पेट सोने के लिए मजबूर है और पांच साल से छोटे बच्चों की एक बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार है।

ऐसा नहीं है कि भारत में खाद्य भंडारण के लिए कोई कानून नहीं है, लेकिन आज भी लाखों टन अनाज बर्बाद होता है। ऐसा भी नहीं है कि सरकार ने भूख से लड़ने के लिए कारगर उपाय नहीं किए हैं। सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, नरेगा, मिड डे मील, काम के बदले अनाज, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा नेट, अंत्योदय अन्न योजना आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि सभी देशवासियों की भूख मिटाने के लिए ही नहीं, बल्कि स्वतंत्र रूप से जीवनयापन के लिए रोजगार प्रक आय व पोषणयुक्त भोजन मिल सके। लेकिन कागजों पर बनने वाली ये योजनाएं जमीन पर कितनी अमल की जाती हैं, इसका अंदाजा आप भारत में भूख से मरने वाले लोगों की संख्या से लगा सकते हैं। सम्पूर्ण विश्व में बेहद तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के बावजूद आज भी भारत में गरीबी और कुपोषण एक समस्या बनी हुई है। हमारा सिस्टम अभी तक इस गंभीर समस्या का समाधान करने में नाकाम रहा है। यही वजह है कि देश की एक तिहाई से ज्यादा बच्चे अभी भी कुपोषण का शिकार हैं। इसका साफ मतलब यह है कि तमाम योजनाओं के एलान और बहुत सारे वादों के बावजूद देश में भूख व कुपोषण के शिकार लोगों की संख्या कम नहीं कर पाए हैं। योजनाओं की लागू करने में कहीं न कहीं भारी गड़बड़ियां और अनियमितताएं हैं। केंद्र एवं राज्यों के महिला एवं बाल कल्याण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, शिक्षा, खाद्य एवं अन्य विभागों के बीच आपसी समन्वय के साथ कुपोषण संबंधी कार्यक्रमों को एक साथ सामूहिक रूप से लागू करने पर ही कुपोषण रूपी दुश्मन को जड़ से मिटया जा सकता है। समय-समय पर कुपोषण संबंधी डाटा का मूल्यांकन, उस कम करने के प्रयासों की समीक्षा के साथ ही जिम्मेवर व्यक्तियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विचार

अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर, रविवार 2026

4

जनसेवा से राष्ट्रसेवा के भाव का चिंतन

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 वर्षों में किए गए राष्ट्र सेवा के अनवरत कार्यों से देश को परिचित कराया। आशीर्वाद का दिया जलाकर उनके प्रति अनंत शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। उल्लेखनीय विकास केन्द्रों का प्रवास, आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान, प्रभावी व्यक्तियों से संपर्क आदि के माध्यम से समाज के सभी व्यक्तियों से संपर्क का यह अभिनव अभियान था। 7 अक्टूबर को देश के हजारों स्थानों पर लाखों नागरिकों ने “वी विल डू इट” के उद्घोष के साथ 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प भी लिया। विगत 25 वर्षों में मोदी जी ने भारत के आर्थिक उत्थान के साथ – साथ विश्व में भारत का सांस्कृतिक गौरव भी स्थापित किया है। भारत में धर्म केवल पूजा-पाठ एवं कर्मकांड तक सीमित नहीं, समाज धारणा एवं कर्तव्य भाव भी सिखाता है। प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी ने सांस्कृतिक उत्थान के कार्यों के माध्यम से आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। विपक्ष सांस्कृतिक उत्थान के होने वाले कार्यों को आलोचना की दृष्टि से देखता था।

इन धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में हुए प्रयासों के कारण आर्थिक व्यवस्था में कितना परिवर्तन आया है, यह अध्ययन का विषय है। इसको कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है। जब किसी धार्मिक स्थल का विकास होता है, तब केवल मंदिर परिसर ही नहीं, वहां का सम्पूर्ण चित्र बदलता है। सड़कें पर्यटकों के आवागमन के योग्य बनती हैं। रेलवे, एअरपोर्ट, होटल, रेस्टोरेंट, दुकानदार, स्थानीय आवागमन के साधनों का उपयोग, हस्तशिल्प , स्थानीय उत्पादों की बिक्री आदि के द्वारा संपूर्ण जन-जीवन में परिवर्तन आता है। धार्मिक व्यवस्था से जुड़े गाइड, पुष्पमाला एवं प्रसाद बेचने वाले दुकानदार सभी के जीवन में खुशहाली आती है। भारत सरकार की प्रसाद योजना के द्वारा यह सब संभव हुआ है। प्रसाद योजना के अंतर्गत 54 प्रकल्पों पर 1726.74 करोड़ का बजट निर्धारित हुआ। एक अनुमान के अनुसार प्रसाद योजना के परिणाम स्वरूप 5000-8000 करोड़ की आर्थिक गतिविधि अब तक हुई है। भारत में लगभग 20 लाख सनातनी आस्था (मंदिर) के स्थान हैं। 60 % पर्यटन धार्मिक पर्यटन हैं। जौड़ीपी में 5.22 प्रतिशत एवं रोजगार में 13.34 % का योगदान है। लगभग 7.5 करोड़ रोजगार धार्मिक एवं उससे संबंधित गतिविधियों से मिलता है। गुजरात सरकार के बजट के आधार पर 2024-25 में सोमनाथ मंदिर के दर्शन के लिए प्रतिदिन 25000 श्रद्धालु आते हैं। वर्ष भर में लगभग 97 लाख लोगो ने अपने आराध्य के दर्शन किए। 2013 में

70–75 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन लिए थे। लगभग 26% की वृद्धि हुई है। लगभग 1500- 1800 करोड़ की वार्षिक आर्थिक गतिविधि सोमनाथ तीर्थ दर्शन के कारण होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि मुझे तो मां गंगा ने बुलाया है। 2014 के पूर्व एवं पश्चात के काशी में धरती आसमान का अंतर काशीवासी अनुभव करते हैं। मोदी जी का काशी से चुनाव लड़ना अपना सीमांय भी मानते हैं। 13 दिसंबर 2022 को काशी कोरिडोर के प्रथम चरण का उद्घाटन 339 करोड़ की लागत से संपन्न हुआ । काशी पुनर्निर्माण से पहले 70 -80 लाख तीर्थयात्री प्रतिवर्ष आते थे। अब लगभग



2025 में 7 करोड़ श्रद्धालु काशी में दर्शन के लिए आए। 2021 से 2025 तक 25.28 करोड़ दर्शनार्थियों ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। संपूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय के प्राध्यापक प्रो. राजनाथ के अनुसार प्रतिव्यक्त लगभग 5000 रुपये भी खर्च करता है, तब 1.25 लाख करोड़ का आर्थिक व्यापार होता है। जिसके कारण पर्यटन आय में 65 % की वृद्धि हुई है। काशी – तमिल संगम के माध्यम – दक्षिण की एकात्मता का माध्यम भी बनी है। लंबे संघर्ष के उपरांत निर्मित भव्य मंदिर के निर्माण के उपरांत अयोध्या की सम्पूर्ण आर्थिकी ही परिवर्तित हो गई। आईआईएम लखनऊ के एक अध्ययन के आधार पर वर्ष में पहले 1.7 लाख तीर्थयात्री आते थे। दुकानदारों की प्रतिदिन आय 400- 500 रुपये तक होती थी। 2025 में 29.95 करोड़ श्रद्धालुओं ने भगवान राम के दर्शन किए। अयोध्या का जोएसटी संग्रह का 400 करोड़ है। 2028 तक पर्यटन राजस्व संग्रह का अनुमान 18000 करोड़ है। जो वर्तमान में 10000 करोड़ प्रतिवर्ष है । व्यापारिक आय में 5 गुना वृद्धि हुई है । रेस्टोरेंट 200 से बढ़कर 2000 हुए एवं बैंक शाखाएं 15 से बढ़कर 60 हुई है । होटल एवं होम स्टे में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उत्तर

प्रदेश को पर्यटन विभाग एवं अयोध्या के कारण 2025 में 20000 से 25000 करोड़ का अतिरिक्त कर प्राप्त हुआ है । 11 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा महाकाल लोक का उद्घाटन होने के बाद 2019 की तुलना में तीर्थयात्रियों में 50% की वृद्धि हुई है। पहले 20- 25 हजार श्रद्धालु दर्शन करते थे, अब 80 हजार से 1 लाख श्रद्धालु दर्शन करते हैं। अब इंदौर एवं उज्जैन आर्थिक विकास के कारण एक होने की स्थिति में है। मध्य प्रदेश में पर्यटन के कारण 89. 21 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जिसमें महाकाल तीर्थयात्रियों का बड़ा योगदान है। 2013 की केदारनाथ में आई आपदा का निरीक्षण करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी आए थे, उसी समय केदारनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प भी उन्होंने लिया था। आल वेदर रोड, ऋषिकेश से कर्ण प्रयाग रेलवे लाइन, वायु सेवा आदि के द्वारा अब उत्तराखंड में आदि कैलाश सहित चारों धर्मों में पर्यटन में बहुगुणित वृद्धि हुई है। केवल केदारनाथ में 2025 में 1656539 तीर्थयात्री पहुंचे। 2025 के पहले डेढ़ मास में ही 300 करोड़ का रविवृ प्राप्त हुआ था। मोदी ध्यान गुफा की एक रात की बुकिंग 11000 रुपये है, जिससे 2025 में विश्राम गृही सहित 3.8 करोड़ की आय प्राप्त हुई थी। प्रयाग में आयोजित महाकुम्भ ने तो विश्व रिकॉर्ड ही बनाया है। दुनिया के लिए महाकुंभ की व्यवस्था शोध का विषय है। महाकुम्भ सम्पूर्ण विश्व के लोगों को जोड़ने का माध्यम भी बना है। आकड़ों के अनुसार 66 करोड़ से अधिक लोगो ने मां गंगा में डुबकी लगाई थी। उत्तर प्रदेश सरकार को कुंभ के द्वारा 500 करोड़ की अतिरिक्त जीएसटी के माध्यम से आय हुई। 1.5 लाख करोड़ पर्यटन के कारण राजस्व प्राप्त हुआ। सरकार ने महाकुम्भ क्षेत्र के विकास के लिए 6982 करोड़ खर्च कर 2-3 लाख करोड़ राजस्व आय प्राप्त की। लगभग 6 लाख से अधिक लोगो को रोजगार भी प्राप्त हुए। प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की आर्थिक प्रगति को भी एक दिशा दी है।

वेड इन इण्डिया प्रयोग आत्मनिर्भर भारत तथा भारतीय स्थानों के सौंदर्य का बोध भी विश्व को कराता है। इसके कारण वैश्विक पर्यटन का विकास भी होता है। तीर्थाटन द्वारा आर्थिक प्रगति में हम तिरुपति, वेंण्णो देवी सहित अनेक स्थानों का अध्ययन भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने वाले उनके इस दिशा में किए प्रयत्नों का अध्ययन भी करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चिंतन प्रतिपल 140 करोड़ नागरिकों के लिए है जो उनमें अन्तर्निहित जनसेवा से राष्ट्रसेवा के भाव को प्रकट करता है ।

(लेखक आजरा के राष्ट्रीय सह उल्लेख बहुमनी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग: कर्मसु कौशलम

चित्तवृत्ति का भगवान में विलीन हो जाना योग है। यह महायोग बनता है भगवान की अहेतुकी कृपा से। श्रीरामचरितमानस में जहां भी योग है, वह केवल ईश्वर विषयक ही है। उसका सात्विक प्रयोजन और कोई नहीं है। श्री भरत चित्रकूट में भगवान के हृदय से मिलकर शून्य स्थिति को प्राप्त हो गए। न बुद्धि की सत्ता रही, न मन की चंचलता। चित्त



संकलित

दर्शन

में कोई संस्कार शेष न रहा। यही स्थिति योगी की होती है। वह योग करते-करते ईश्वर से एकाकार होकर प्रेम रस से भर जाता है। उसकी वाणी अव्यद्द हो जाती है और मन रिक्त हो जाता है। भक्त का योग जब भगवान से होता है, मन, बुद्धि और चित्त के साथ साधन अहं शून्य हो जाता है। मन, बुद्धि, चित्त और अहं की स्वीकृति केवल साधन काल में ही होती है, पर साध्य की परम प्राप्ति में इनकी विस्मृति ही योग है। श्रीमद्भगवद्गीता के सभी 18 अध्याय योग हैं। अर्जुन विषाद योग से प्रारंभ होकर गीता की 18 योगों की नदियां मोक्ष सन्यास योग बनकर श्रीकृष्ण समुद्र में जाकर पूर्णता को प्राप्त हो जाती हैं। द्वारप में जितना भार श्रीकृष्ण ने उठाया, उतना जेठ में श्रीराम को नहीं उठाना पड़ा, क्योंकि श्रीराम के साथ के लोग अनुकूल थे। उनका काल उनके अनुकूल था, जबकि भगवान कृष्ण को तो सारी गीता सुना-समझाकर, अपनी योगस्थिति को बाजी पर लगाकर अर्जुन से कहना पड़ा कि जितने धर्म मैंने तुझे बताया हैं, तू उन सबको छोड़कर मेरी शरण में आ जा, मैं तुझे सारे पापों से मुक्त कर तुझे भी मुक्त कर दूंगा।

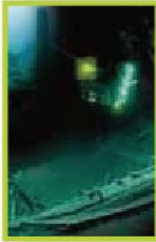
अंतर्मन



करंट अफेयर

चीन-कोरिया को जोड़ने वाला नया पुल एक दशक बाद खुला

चीन और उत्तर कोरिया को जोड़ने वाला एक नया पुल एक दशक से अधिक की देरी के बाद बृहस्पतिवार को खुल गया। इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हूआ ने बताया कि ‘न्यू यालू रिवर ब्रिज’ का उद्घाटन किया गया। सरकारी मीडिया संस्थान चाइना न्यूज सर्विस के ऑनलाइन वीडियो में चीन और उत्तर कोरिया के राष्ट्रीय ध्वजों से सजे ट्रक पुल पर खड़े दिखाई दिए। पुल को भी दोनों देशों के झंडों से सजाया गया था। बीजिंग को उम्मीद है कि तीन किलोमीटर लंबा और चार लेन वाला यह पुल आर्थिक एवं व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क को भी बढ़ावा देगा। यह पुल चीन के पूर्वोत्तर शहर दानदोंग को उत्तर कोरिया के शहर सिमूइजु से जोड़ता है। इस पुल को मूल रूप से 2014 में यतायात के लिए खोलने की योजना थी। उस समय चीन ने अपनी ओर निर्माण कार्य पूरा कर लिया था। हालांकि, निर्धारित समय पर पुल नहीं खुला और उत्तर कोरिया ने अपनी ओर संबंधित निर्माण कार्य भी पूरा नहीं किया था। सिमूइजु में निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ने से यह अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि युद्धांगण चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता बढ़ने को लेकर सतर्क है।



प्राचीन भूमध्यसागरीय क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों के बीच संपर्कों को समझने के हमारे नजरिये को बदल सकती है। यह भी संभव है कि इससे भी पहले, आज के व्यापक व्यापार मार्गों की नींव पड़ी हो। अंताल्या स्थित अकदेनियन विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर हाकान ओनियन दशकों से तुर्किये के इस तट पर प्राचीन जहाजों के मलबे की खोज और खुदाई कर रहे हैं। स्थानीय नाविकों से मिले सुरागों के आधार पर ओनियन ने 2024 में तुर्किये में अंताल्या के पश्चिम में कैकोवा के पास उथले पानी में एक जहाज का मलबा खोजा।

हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो

एक वृद्ध महिला एक सब्जी की दुकान पर जाती है, उसके पास सब्जी खरीदने के पैसे नहीं होते है। वो दुकानदार से प्रार्थना करती है कि उसे सब्जी उधार दे दे पर दुकानदार मना कर देता है। उसके बार-बार आग्रह करने पर दुकानदार खीज कर कहता है, तुम्हारे पास कुछ ऐसा है, जिसकी कोई कीमत हो, तो उसे इस तराजू पर र्ख दो, मैं उसके वजन के बराबर सब्जी तुम्हें

दे दूंगा। वृद्ध महिला कुछ देर सोच में पड़ जाती है। क्योंकि उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं था।

कुछ देर सोचने के बाद वह, एक मुड़ा-तुड़ा कागज का टुकड़ा निकालती है और उस पर कुछ लिख कर तराजू पर रख देती है। दुकानदार ये देख कर हंसने लगता है। फिर भी वह थोड़ी सब्जी उठाकर तराजू पर रखता है।आश्चर्य,!!! कागज वाला पलड़ा नीचे रहता है और सब्जी वाला ऊपर उठ जाता है। इस तरह वो और सब्जी रखता जाता है पर कागज वाला पलड़ा नीचे नहीं होता। तंग आकर दुकानदार उस कागज को उठा कर पढ़ता है और हैरान रह जाता है। कागज पर लिखा था, हे श्री कृष्ण! तुम सर्वज्ञ हो, अब सब कुछ तुम्हारे हाथ में है। दुकानदार को अपनी आँखों पर यकीन नहीं हो रहा था। वो उतनी सब्जी वृद्ध महिला को दे देता है। पास खड़ा एक अन्य ग्राहक दुकानदार को समझाता है, कि दोस्त, आश्चर्य मत करो। केवल श्री कृष्ण ही जानते हैं की प्रार्थना का क्या मोल होता है। वास्तव में प्रार्थना में बहुत शक्ति होती है। चाहे वो एक घंटे की हो या एक मिन्ट की। यदि सच्चे मन से की जाये, तो ईश्वर अवश्य सहायता करते हैं। अक्सर लोगों के पास ये बहाना होता है, की हमारे पास वक्त नहीं।



नक्सल-मुक्त भारत

नक्सल-मुक्त भारत बनाने का नौद्वी सरकार का संकल्प पूरा हो गया है। नक्सलवाद से देश को मिले घावों को अब भरना होगा, पीड़ितों के लिए समानजनक जीवन जिले की वास्तव्य करनी होगी। - अनित शाह, कैदीय गुरुमंत्री

नया भारत

यह नया भारत है, जो अतकवद के आगे झुकता नहीं, बल्कि उसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए निग्राधिक प्रहार करता है। संविकल दृष्टिक से लेबर ऑप्टीमेशन सिद्ध तक, भारत ने यह राष्ट्र कर दिया है कि जो कोई नशे को खिलाफ बोलता है, तो उसकी हत्या कर दी जाती है। - योगेश मोदी, सिरसा

महिला सशक्तीकरण

दिल्ली के निर्माण में हमारी मेहनती बहनों की भूमिका अनूत्प्य है। उनका स्वास्थ्य, सम्मान और सहायिकरण हमेशा मेरी प्राथमिकता रहेगा। उनके अथक प्रयासो ने आज की दिल्ली को गढ़ा है, उनकी ताकत व आत्मनिर्भरता वक्त की दिल्ली को आधार देगी। - रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सरकार की जवाबदेही

क्या सरकार ने जवाबदेही तय करने के अपने कर्तव्य को पूरी तरह से त्याग दिया है कि अब वह जवाबदेही मंगाने वाली की आवाज दवाने के लिए उन्हें हिरासत में ले रही है? जैट-मैर पर, जो हाथों में हिरावा धागे हुए थे, आज न्यायिक हिरासत में है। - शशि धरूर, लासद, कोरसे



जिले के दिव्यांग पेंशन लाभार्थियों से मांगी गई राशन कार्ड व फैमिली आईडी की सूचना

बहराइच। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी डॉ. अजीत कुमार ने पेंशन प्राप्त कर रहे समस्त दिव्यांगजनों तथा उनके सहयोग के लिए कार्यरत व्यक्तियों एवं संस्थाओं से अपेक्षा की है कि स्वयं के या अपने परिवार के राशन कार्ड या फैमिली आई.डी. की फोटोकॉपी तथा वर्तमान में इस्तेमाल किये जा रहे अपने मोबाइल नंबर की सूचना विकास भवन स्थित जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी के कार्यालय को 27 अक्टूबर 2026 तक अवश्य उपलब्ध करा दें ताकि उन्हें निर्बाध रूप से पेंशन का लाभ प्राप्त होता रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र.....ब/121 वर्ष

ग्राम दनौली खुर्द, प.ह.न.

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक.. भैयालाल पिता बालसाय जाति रजवार निवासी ग्राम दनौली खुर्द प.ह.न.....रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता बालसाय की मृत्यु दिनांक 03. 05. 2026 को ग्राम दनौली खुर्द में हुई है, अज्ञाततावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पिता बालसाय का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत दनौली खुर्द को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 29/10/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। (नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14/10/0 26 मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्ररूप – (एक)

समाचार पत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं लाज़रूस कुजूर पिता अन्नहाम कुजूर, निवासी हाउस नं 41, वार्ड नं 03, ग्राम-बासेन, बासेन, पोस्ट मुसगुट्टी, तहसील बगीचा, जिला-जशपुर, छत्तीसगढ़ 496224 ने अपने नाम लाज़रूस कुजूर (LAJHRUS KUJUR) से बदल कर लाज़रूस कुजूर (LAZRUS KUJUR) रख लिया है।

लाज़रूस कुजूर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला – सरगुजा

रा०प्र०क्र०- /20(1)/2025-26

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका डॉ. जगदीश प्रसाद भुटानी आ०/पति मुकुन्दलाल भुटानी जाति, निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-भड्डापारा, शीट नम्बर-11 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 4534/10 रकबा 0.08 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक: 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

राजनाथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस और सहयोगियों पर बोला हमला दशकों से चुनाव हार रहे ये दल भारत विरोधी तत्वों के हाथों खेल रहे, अराजकता फैला रहे

एजेसी नई दिल्ली/ लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर जाने-अनजाने भारत विरोधी ताकतों के हाथों में 'खेलते' नजर आने का आरोप लगाया और कहा कि हिंसा और अराजकता की आग में देश को झोंककर 'बांग्लादेश' जैसी स्थिति बनाने का ख्वाब देख रही कांग्रेस ने अब अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल करने का सारा नैतिक अधिकार खो दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। स्वाभाविक है कि तमाम शक्तियों को भारत का यह उभार रास नहीं आ रहा होगा। सिंह ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि देश को यह समझने की आवश्यकता है कि दशकों से चुनाव हार रहे राजनीतिक दल जाने या अनजाने में आज इन (भारत विरोधी) शक्तियों के हाथों में खेलते हुए नजर आ रहे हैं।

4 बड़े असह्य अपराध किए



देश में हिंसा फैला रहे

कांग्रेस और सहयोगी जबर्न विरोध प्रदर्शन करवा रहे

राजनाथ ने कांग्रेस और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस पर देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल युवाओं को आगे करके चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करवा रहे हैं और देश में बांग्लादेश जैसी 'रिजीम चेंज' (सत्ता परिवर्तन) की साजिश रच रहे हैं।

कांग्रेस अपने दम पर कभी चुनाव नहीं जीती, रायबरेली उदाहरण उन्होंने कहा कि जब से वोटर आईडी व्यवस्था लागू हुई है, कांग्रेस अपने दम पर लोकसभा में कभी बहुमत की सरकार नहीं बना पाई है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या वे सपा के बिना रायबरेली जीतेंगे?

प्रशांत भूषण का पुराना वीडियो शेयर कर रिजिजू बोले 'रिजीम चेंज' वालों को कभी माफ न करें, गद्दारों को...



एसआईआर को लेकर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में चल रहे कांग्रेस के प्रदर्शन के बीच देश में 'रिजीम चेंज' की बहस अब और तीखी हो गई है। केंद्रीय

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण का पुराना वीडियो शेयर करते हुए लोगों से अपील की कि वे उन लोगों को कभी माफ न करें जिन्हें उन्होंने 'गद्दार' कहा। दोस्तों को एक बार माफ करें पर ऐसे लोगों को कभी माफ न करें।

प्रधान का राहुल पर कटाक्ष कांग्रेस स्वार्थ के लिए लोगों को परेशान कर रही

राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए पूर्व शिक्षा मंत्री चुके नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार जनता के जनदेश को अपमानित करते हैं। चुनावी प्रक्रिया से मनचाहा परिणाम न मिलने पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने को कांग्रेस की कोशिश और राजनीतिक स्वार्थ के लिए आए दिन जनता को परेशान करना इनका हमेशा से उद्देश्य रहा है।

पैदा करने को कांग्रेस की कोशिश और राजनीतिक स्वार्थ के लिए आए दिन जनता को परेशान करना इनका हमेशा से उद्देश्य रहा है।

इरानी ने भी बोला हमला राहुल और विपक्ष बिना सबूत हल्ला कर रहे, आगामी चुनाव की लड़ाई लड़ रहे

भाजपा की नेता स्मृति इरानी ने राहुल गांधी और विपक्षी दलों द्वारा ईसीआई पर लगाए गए आरोपों और एसआईआर/के विरोध को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। चूंकि इरानी ने कहा कि कांग्रेस आज भारत के संवैधानिक संस्थानों और चुनाव आयोग पर बिना किसी ठोस सबूत के हमले कर रही है। निरर्थक हल्ला कर रही है।



मेरठ का सर्पदंश हत्याकांड रविता और अमरदीप को फांसी अमित को बिस्तर पर छोड़ा था



अमित



रविता



अमरदीप

एजेसी मेरठ

यहां के बहसुमा क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात निवासी अमित कश्यप उर्फ मिर्का कश्यप हत्याकांड में अदालत ने उसकी पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। चर्चित सर्पदंश हत्याकांड में दोनों को पहले ही हत्या और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार दिया गया था। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-12) जयवीर सिंह नागर की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। अमित की हत्या को सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की गई थी। परिवार को भी यही बताया गया कि अमित की मौत सर्पदंश से हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच में हत्या की बात सामने आई।

अदालत ने किया मनुस्मृति का जिक्र

सजा सुनाने से पहले न्यायाधीश ने मनुस्मृति का जिक्र करते हुए कहा कि अधर्म कभी धर्म से नहीं जीत सकता। अदालत की टिप्पणी में सावित्री का भी उल्लेख किया गया, जो यमराज से भिड़ गई थी। हत्या करके उसको अन्य रूप दिया गया।

मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला 128 जगहों पर तमिलनाडु में पथ संचालन की अनुमति दी

चेन्नई। तमिलनाडु में आरएसएस को 128 जगहों पर पथ संचालन की अनुमति मिल गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस की आलोचना की। हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस बार-बार उन आधारों पर अनुमति देने से इनकार कर रहे थे जिन्हें अदालत पहले ही खारिज कर चुकी है। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब जम्मू कश्मीर जैसे राज्य में संघ का पथ संचालन हो सकता है तो तमिलनाडु में क्यों नहीं? हाई कोर्ट ने पथ संचालन मामले में फैसला देते हुए तमिलनाडु पुलिस को जमकर सुनावा। जस्टिस वी. लक्ष्मी नारायणन की सिंगल बेंच ने सरकार के खिलाफ बड़ी टिप्पणी भी की।



श्री साईं रेसीडेन्सी आवासीय सहकारी समिति मर्यादित भगवानपुरखुर्द, पंजीयन क्रमांक 2698 विकासखण्ड अम्बिकापुर की लिये संचालक मंडल के निर्वाचन हेतु रिटर्निंग अधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम

क्र.	विवरण	दिनांक
1	आस्था संकेती विनिश्चय एवं आम राया की सूचना तथा निर्वाचन कार्यक्रम जारी करना एवं सदस्यों को प्रेरित करना।	16.10.2026
2	नामांकन पत्र प्राप्त करना।	25.10.2026
3	नामांकन पत्रों जांच	26.10.2026
4	नामांकन पत्रों की वापसी प्रतीक चिन्हों का आबटन तथा निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन	27.10.2026
5	चुनाव की तैयारी	28.10.2026 से 30.10.2026
6	आमसभा मतदान एवं मतगणना।	31.10.2026
7	सहयोगीय वरिष्ठ आदेशक ो तो एवं अन्यथा उपाध्यक्ष एवं प्रतिनिधि के निर्वाचन हेतु बैठक की सूचना जारी करना।	01.11.2026
8	अध्यक्ष/उपाध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों का निर्वाचन (संचालक मंडल की प्रथम बैठक)	05.11.2026

नितेश कुमार कश्यप रिटर्निंग अधिकारी

श्री साईं रेसीडेन्सी आवासीय सहकारी समिति मर्या. भगवानपुरखुर्द, पंजीयन क्रं. 2698

शपथग्रहिता सत्यापन

मैं, राम जयपाल सिंह आ० बैरागी सिंह उम्र 52 वर्ष निवासी- नमनाकला थाना व तह० अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० का यह घोषित करता हूँ कि शपथ पत्र की कण्टिका क्रमांक 1 से 2 तक में वर्णित कथन मेरे निजी ज्ञान विश्वास एवं जानकारी के अनुसार सत्य एवं सही अतः आज दिनांक को हस्ताक्षरित कर सत्यापित कि।

सत्यापनकर्ता

शपथपत्र

मैं, राम जयपाल सिंह आ० बैरागी सिंह उम्र 52 वर्ष निवासी- नमनाकला थाना व तह० अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० का निम्नलिखित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ-

1. मैं, शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा नाम राम जयपाल सिंह है, जो मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, एवं मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा नाम दर्ज है जो सत्य एवं सही है।

2. मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम तुट्टिवश राई मेरा नाम राम जयपाल सिंह दर्ज हो गया है जो गलत है जबकी मेरा वास्तविक नाम राम जयपाल सिंह है, उक्त तुट्टि नाम के स्थान पर संशोधन कर मेरा सही नाम राम जयपाल सिंह दर्ज किया जाये और इसे नाम से जाना एवं पहचाना जाये। जिसके संबंध में स्वयं का शपथ पत्र निम्नादित कर प्रस्तुत कर रहा हूँ।

कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

वि.प्र.क / विशेष विवाह/2025-26

फार्म-अ

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण की जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक अर्पित कुमार सिंह आ० सतीश कुमार सिंह, आ० 28 वर्ष, निवासी मकान नम्बर 43, बालगंगाधर तिलक वार्ड नम्बर 10, शिव मंदिर के पास, महुआपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०, एवं आवेदिका अचला सिंह आ० राजकुमार सिंह, उम्र 29 वर्ष, निवासी प्राइमरी स्कूल के पास, गोधनपुर, अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग०, के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत आवेशित विवाह / विवाह पंजीयन की सूचना संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित अभिप्रेत विवाह पंजीयन की सूचना के विरुद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई व्यक्ति इस न्यायालय में दिनांक 10/11/2026 को दिन के 11:00 बजे तक अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

विशेष विवाह अधिकारी सरगुजा, अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्ररूप – (एक)

समाचार पत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं याकुव पन्ना पिता मंगरा पन्ना, निवासी मकान नं 326, वार्ड नं 16, भंडारीपारा, बन्ना, पोस्ट पसिया, तहसील बगीचा, जिला-जशपुर, छत्तीसगढ़ 496224 ने अपने नाम याकुव पन्ना (YAKUV PANNA) से बदल कर याकूब पन्ना (YAKOOB PANNA) रख लिया है।

याकूब पन्ना

नाबालिक के लिए छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्ररूप – (एक)

समाचार पत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं धनेश्वर राम पिता रातु गांव / शहर टेटगापानी, कामारिमा पोस्ट कामारिमा तहसील-सन्ना जिला जशपुर, छत्तीसगढ़ - 496336 राज्य ने अपने नाबालिक सुपुत्र का नाम ठुनु राम (THUNU RAM) से बदल कर ठुनेश्वर राम (TUNESHWAR RAM), रख लिया है।

पिता धनेश्वर राम

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2028-27

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामनिवास आठेकचंद जाति अग्रवाल निवासी जवाहर मार्केट महारानी लक्ष्मी वार्ड नंबर 09 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० रोड जवाहर नगर महारानी लक्ष्मी वार्ड नंबर 9 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 85,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 16.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला – सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2026-27

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डॉ. बाबू पाटिल उर्फ यज्ञ पूरन पाटिल आ० रामदीन पाटिल निवासी वार्ड 26 छत्रपति नगर पटेल आटा चक्की के पास तहसील हजूर रोवा म०प्र० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम फुन्दुरिडहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 434/77 रकबा 0.027 हे० भूमि को अनावेदक विन्देश्वर शरण सिंह देव आ० उमेश्वर शरण सिंह देव निवासी सरगवा पैलेस संजय पार्क मार्ग सरगावा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 7,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला – सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रविशंकर अग्रवाल आ०/पति सज्जन कुमार अग्रवाल जाति निवासी बस स्टैंड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला राम मंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 3196/4813/72 रकबा 0.01 3/4 एकड़ भूमि का बैंक लोन बंधक रखे जाने हेतु हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक: 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला – सरगुजा

रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रविशंकर अग्रवाल आ०/पति सज्जन कुमार अग्रवाल जाति निवासी बस स्टैंड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला राम मंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नम्बर 3196/4813/72 रकबा 0.01 3/4 एकड़ भूमि का बैंक लोन बंधक रखे जाने हेतु हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक: 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री के सुशासन में पारदर्शी व्यवस्था, अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास है और सुशासन उस विश्वास को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में इसी भावना के अनुरूप संवेदनशील, पारदर्शी और जनोन्मुखी प्रशासन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्रासबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासहू के मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर

प्रयासरत है।

जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता

सुशासन की पहली शर्त है कि आम नागरिक की बात सुनी जाए। मुख्यमंत्री ने जनसमस्याओं के निराकरण को शासन की प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे शासन के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। जिला और विकासखंड स्तर पर आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर प्रशासन को नागरिकों के निकट लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की सेवाओं की जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को

लाभान्वित किया जा रहा है।

डिजिटल सुशासन से आसान हो रही शासकीय सेवाएं

बदलते समय में तकनीक सुशासन का सशक्त आधार बनकर उभरी है। सेवा सेतु पोर्टल और डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाओं के लिए आवेदन करने की सुविधा मिल रही है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है। तकनीक आधारित प्रशासन का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, विलंब कम करना और



नागरिकों को सेवाओं की स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराना भी है।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गरीबों,

किसानों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों और जनजातीय समुदायों के कल्याण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता। प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंदों का पक्के घर का सपना साकार। किसानों, स्वास्थ

सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका की योजनाएं आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा का आधार बन रही हैं।

शिकायत निवारण से जवाबदेह पशासन

सुशासन का अर्थ केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि शिकायतों का समाधान भी है। सीएम हेल्पलाइन 1076 से शिकायत दर्ज कराने और स्थिति जानने की सुविधा। नगरीय क्षेत्रों में निदान-1100 से साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों का समाधान। ज ब नागरिक अपनी समस्या की प्रगति जान सकते हैं, तब प्रशासन के प्रति भरोसा मजबूत होता है।

गांव से शहर तक विकास

छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में निवास करती है। बस्तर और सरगुजा जैसे अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर जोर है। सुशासन की वास्तविक पहचान तब बनती है, जब दूरस्थ गांव में रहने वाले नागरिक को भी वही सम्मान और सुविधा मिले जो शहरों में उपलब्ध है।

जनभागीदारी से मजबूत होता सुशासन

प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक

आयोजित सेवा संकल्प अभियान ने जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाया। सेवा सेतु, सेवा की कहानी, सेवा मेरा योगदान और सुशासन सेवा संवाद जैसी पहलों ने नागरिकों को शासन से जोड़ा। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रयास है कि ऐसी व्यवस्था बने जिसमें गरीब को सम्मान, किसान को संबल, महिलाओं को सुरक्षा, युवाओं को अवसर और प्रत्येक नागरिक को न्यायपूर्ण एवं सरल शासकीय सेवाएं उपलब्ध हों। सुशासन से विश्वास, विश्वास से जनभागीदारी और जनभागीदारी से विकसित छत्तीसगढ़, यही समावेशी विकास की सशक्त आधारशिला है।

25 वर्षों में पीएम मोदी ने जनकल्याण को बनाया शासन का आधार, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा विकास का लाभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय संस्कृति में सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च संस्कार है। सेवा की यही भावना व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा के प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व संभालने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के इन 25 वर्षों में जनकल्याण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गुजरात

के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक की उनकी यात्रा विकास, हढ़ संकल्प और जनविश्वास की मिसाल रही है। उन्होंने शासन को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनाया है।

जनकल्याण की योजनाओं से बदली तस्वीर

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में देश ने जनकल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्के घर का



सहारा मिला। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को धुएं से राहत दिलाई। आयुष्मान भारत ने जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता के साथ महिलाओं के सम्मान एवं गरिमा को मजबूत किया। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना से नागरिकों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा

है। जनधन योजना, डिजिटल इंडिया और डीबीटी ने सरकारी योजनाओं को पारदर्शी बनाया। किसान सम्मान निधि, मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया ने नए अवसर दिए। इन प्रयासों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी गई।

सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान

प्रधानमंत्री ने विकास के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण को भी नई दिशा दी। अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण, काशी विष्णुनाथ धाम का विकास और देश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर सुविधाओं का विस्तार भारतीय संस्कृति के गौरव को नई पहचान दे रहा है। छत्तीसगढ़ भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। प्रदेश में पर्यटन, जनजातीय संस्कृति संरक्षण और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

नवरात्रि पर भक्ति और जनसेवा का संगम, कबीरधाम में डिप्टी सीएम शर्मा ने पंडाल में बैठकर किया जनता दरबार



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नवरात्रि के पावन पर्व पर उपमुख्यमंत्री एवं कवधां विधायक विजय शर्मा का दौरा भक्ति और जनसेवा का संगम बन गया। उन्होंने कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवों में देवी पंडालों और

मंदिरों में दर्शन-पूजन के साथ ही ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। विशेष रूप से ग्राम मढ़मढ़ा में देवी पंडाल जनसमस्या निवारण केंद्र में बदल गया, जहां उपमुख्यमंत्री ने मां दुर्गा के चरणों के समीप बैठकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया।

ग्राम मढ़मढ़ा में करोड़ों के विकास कार्यों की घोषणा

मढ़मढ़ा में जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों की मांग पर उपमुख्यमंत्री ने घोषणाएं कीं जिसमें देहान के पास 3 लाख रुपए से मंच निर्माण, यादव समाज सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष के लिए 6.50 लाख, वीबी जीरामजी अंतर्गत मुक्तिधाम में शेड और पटेल समाज भवन में किचन शेड निर्माण, वार्ड क्रमांक 9 में 6.50 लाख से सामुदायिक भवन, देहान के पास एक एचपी बोर स्थापना, गांव की सड़कों के लिए 30 लाख के श्रममूलक कार्य और 15 लाख के मुरमीकरण कार्य, इसके बाद ग्राम मैनपुरी में दुर्गा पंडाल में दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की

कामना की और ग्रामीणों का हालचाल जाना।

नेवरीगुड़ा में 36 देवी-देवताओं, 12 ज्योतिर्लिंग और चारों धाम की झांकी

ग्राम नेवरीगुड़ा के प्रसिद्ध दुर्गा पंडाल में छत्तीसगढ़ के 36 देवी-देवताओं, देश के 12 ज्योतिर्लिंगों, चारों धाम के साथ अयोध्या के श्रीराम और भगवान जगन्नाथ की आकर्षक झांकियां लगी हैं। उपमुख्यमंत्री ने झांकियों के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। यहां उन्होंने घोषणाएं कीं जिसमें नेवरीगुड़ा में सिसरी घाट, मंदिर परिसर में यज्ञ स्थल और मेला स्थल पर सामुदायिक भवन निर्माण, ग्राम दुल्लापुर में 2.60-2.60 लाख की

लागत से दो सीसी सड़कें, शहीद नरेश शर्मा स्मारक के पास 2 लाख से बाउंड्रीवाल निर्माण।

सूरजपुरा के मां राजोदाई मंदिर में पूजा

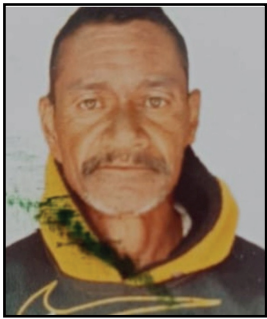
प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री ग्राम सूरजपुरा स्थित प्रसिद्ध मां राजोदाई मंदिर भी पहुंचे। विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री के इस दौर में धार्मिक आस्था के साथ जनसंपर्क को प्राथमिकता दी गई, जहां देवी दर्शन के साथ ही सड़क, सामुदायिक भवन और बुनियादी सुविधाओं के विकास की घोषणाएं प्रमुख रहीं।

युवक की हत्या के वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने लगाई फांसी

5 दिन पूर्व नाले में तैरता मिला था शव बसदेई पुलिस ने किया अंधे कल का खुलासा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नाले में मिले युवक की लाश के मामले को जिले की बसदेई पुलिस ने सुलझा लिया है। युवक के सिर पर प्रहार कर उसकी हत्या की गई थी। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद पकड़े जाने के डर से आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बताया गया है कि 12 अक्टूबर को ग्राम सोनपुर बरपारा का जयलाल सिंह ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 10 अक्टूबर के रात्रि से पुत्र नाहर सिंह का पता नहीं चल रहा था। 12 अक्टूबर को सुबह गांव के लोगों के द्वारा बताया गया कि लड़का नाहर सिंह का लाश खेत के पास नीचे नाला के पानी में पड़ा हुआ है सिर में चोट का निशान है किसी



अज्ञात व्यक्ति के द्वारा सिर में हथियार से मारकर गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या किया है। रिपोर्ट पर धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने हत्या के मामले में अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर मामले का जल्द खुलासा करने पुलिस टीम गठित कर लगाया। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस टीम लगातार आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी बीच

14 अक्टूबर को ग्राम सोनपुर का बालगोविन्द सिंह के द्वारा अपने खेत में स्थित पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। शनिवार 17 अक्टूबर को ग्रामीणों से पूछताछ के आधार पर मृतक बालगोविन्द की पत्नी व पुत्री ने बताया कि पड़ोसी नाहर सिंह परेशान करता था जिससे परिवार वाले तंग रहते थे। इस बात को बालगोविन्द कई बार बोला था कि नाहर सिंह को मारकर खत्म कर दूंगा। 10 अक्टूबर को मृतक नाहर सिंह एवं बाल गोविन्द घर के पास बैठे थे और बात कर रहे थे इसी दौरान नाहर सिंह के द्वारा पत्नी व बेटा को फोन कर घर कब आओगे पूछा गया। इसके बाद नाहर सिंह वहां से अपने घर चला गया, कुछ देर बाद बालगोविन्द घर आया और टांगी लेकर निकला था और 1 घंटे के बाद घर वापस आया और सुबह लेट से सोकर उठा और गुमशुम रहने लगा था।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दुर्गा पूजा, विजय दशमी पर्व एवं मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने तथा सभी धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने के

निर्देश दिए थे। जिसके तहत शुक्रवार को कोतवाली प्रभारी प्रहलाद यादव ने शहर के समस्त दुर्गा पूजा समितियों के सदस्यों एवं पदाधिकारियों की बैठक लेकर पर्व के दौरान सुरक्षा, शांति एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में दुर्गा पूजा के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, दशहरा उत्सव तथा मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही गई। इस दौरान उन्होंने पूजा समितियों के सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किया। बैठक में थाना प्रभारी ने दुर्गा पूजा समितियों से अपील की कि धार्मिक आयोजनों को श्रद्धा, उत्साह एवं आपसी



भाईचारे के साथ संपन्न कराएं। आयोजन स्थलों पर भीड़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, विवाद अथवा अग्रिय स्थिति उत्पन्न न होने दें। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी है, जब प्रत्येक श्रद्धालु

सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सके और सभी लोग बिना किसी परेशानी के अपने घर लौट सकें। उन्होंने गरबा एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों को निर्धारित स्थानों पर ही आयोजित करने तथा खेले जाने की मांगों पर गरबा नहीं खेले जाने की समझाझ दी, ताकि आम नागरिकों, राहगीरों एवं

आपातकालीन सेवाओं के आवागमन में बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही आयोजन के दौरान अनुशासन बनाए रखने, पुलिस प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए कहा गया। माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के संबंध में समितियों को निर्देशित किया गया कि विसर्जन निर्धारित एवं सुरक्षित मार्गों से व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जाए। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित रखने, शोभायात्रा को अनुशासित ढंग से आगे बढ़ाने तथा मार्ग में आवश्यक रुकावट या जाम की स्थिति निर्मित नहीं होने देने पर विशेष ध्यान दिया जाए।



सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामानुजनगर एवं भौतिकी दुष्यंत कुमार राजवाड़े, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नवापारा, सूरजपुर शामिल रहे। जिले के सभी विकासखंडों से आए 24 शिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया। प्रशिक्षकों ने सरल और कम लागत वाली सामग्री से वैज्ञानिक प्रयोग करके दिखाए। साथ ही उन्होंने इन प्रयोगों के पीछे के वैज्ञानिक

सिद्धांत भी समझाया। प्रतिभागी शिक्षकों ने हर प्रयोग स्वयं करके उसकी विधि सीखा। आपको बता दें कि दोनों मेंटर शिक्षकों ने अपने स्तर पर 100 से अधिक कम लागत और अधिक प्रभावी शिक्षण सामग्री तैयार की है। ये सामग्नियाँ घरेलू और आसानी से मिलने वाली वस्तुओं से बनी हैं। इनसे विद्यार्थी कठिन वैज्ञानिक अवधारणाएँ देखकर और स्वयं करके आसानी से समझ सकते हैं।

नाॅकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे राउंड में रोमांच चरम पर, टाईब्रेकर से तय हुए दो मुकाबले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संभाग स्तरीय नाॅकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 के सेकंड राउंड का आगाज आज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। दूसरे दिन कुल तीन मुकाबले खेले गए, जिनमें दो मैचों का फैसला टाईब्रेकर से हुआ और एक मैच में मेंड्रा ने अंतिम क्षणों में गोल कर जीत दर्ज की। पहला मुकाबला बलसेड़ी और बड़नी झरिया के बीच खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बेहतरीन तालमेल और तेज पासिंग गेम का प्रदर्शन किया। कई बार गोल के करीब पहुंची, लेकिन डिफेंस की मजबूती और गोलकीपर के शानदार बचाव के चलते गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों ने आक्रामक



खेल दिखाया, पर स्कोर बोर्ड 0-0 ही रहा। अंत में मैच का निर्णय टाईब्रेकर से किया गया, जिसमें बलसेड़ी की टीम ने दबाव में बेहतर संयम दिखाते हुए 4-3 से जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। दूसरा मैच पीजी रॉयल अंबिकापुर और परसोढ़ी के बीच हुआ। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने संतुलित खेल दिखाया, मिडफील्ड में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन फिनिशिंग में

चूक गई। दूसरा हाफ भी गोल रहित रहा। टाईब्रेकर में मुकाबला और रोमांचक हो गया। परसोढ़ी के खिलाड़ियों ने सटीक शॉट लगाए और 5-4 से मैच जीतकर क्वाटर फाइनल की ओर कदम बढ़ाया। दर्शकों ने दोनों टीमों के खेल की जमकर सरहाना की। तीसरा मैच गुमगरा और मेंड्रा के बीच खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को परखती रहीं, कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हुई।

पात्र युवाओं का मतदाता सूची में नाम जोड़ने चल रहा विशेष अभियान



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में लोकतंत्र को मजबूत बनाने और युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में युवा मतदाता पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पात्र मतदाता छात्र-छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि पात्र युवा समय पर पंजीयन कराकर अपने मताधिकार के प्रति जागरूक बन सकें।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में पंचायत स्तर पर डोर टू डोर विजिट कर एवं विद्यालयीन स्तर पर शिविर आयोजित कर पात्र युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया जा रहा है। ताकि कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे। विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदाता पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है और उन्हें लोकाधिकार व्यवस्था में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। समय पर मतदाता सूची में नाम जुड़ने से पात्र युवा निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी सहभागिता निभा सकेंगे।

जल संसाधनों का आजीविका संवर्धन हेतु करें उपयोग : रेना जमील

केदारपुर के मिट्टी बांध का कलेक्टर ने किया निरीक्षण



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विकासखंड प्रेमनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत केदारपुर में विकसित भारत जी-राम-जी योजना के तहत निर्मित मिट्टी बांध का निरीक्षण कर जल संग्रहण एवं सिंचाई सुविधाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों से गर्मी के मौसम में पानी की उपलब्धता तथा किसानों को मिल रहे लाभ के संबंध में जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मिट्टी बांध में जल संग्रहण से आसपास के किसानों को गर्मी के मौसम में तरबूज, टमाटर सहित विभिन्न सब्जियों की खेती में सुविधा मिलती है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होने के साथ ही कृषि गतिविधियों के

माध्यम से आय अर्जित करने के अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस खरीफ सीजन में किसानों के द्वारा धान की खेती के लिए मिट्टी बांध में संचित पानी का उपयोग किया गया है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने मिट्टी बांध में जल की पर्याप्त उपलब्धता एवं गर्मी के मौसम में जल संग्रहण की संभावनाओं को देखते हुए मछली पालन की गतिविधियां शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के साथ उपलब्ध जल संसाधनों का आजीविका संवर्धन के लिए भी बेहतर उपयोग किया जाए, ताकि स्थानीय ग्रामीणों को आय के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध हो सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों को मछली पालन जैसी आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने तथा जल संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने

के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कृष्णापुर में कलेक्टर ने महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जुड़ने किया प्रोत्साहित

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कृष्णापुर पहुंचकर पूजा महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती बसंती राजवाड़े द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ऑयल मिल, आटा चक्की एवं धान मिल के संचालन की जानकारी ली तथा बसंती राजवाड़े से चर्चा कर स्वरोजगार के माध्यम से हो रही आय एवं व्यवसाय की

प्रगति के संबंध में पूछा। श्रीमती बसंती राजवाड़े ने बताया कि इन आजीविका गतिविधियों से उन्हें प्रतिमाह लगभग 32 हजार रुपये की आमदनी होती है, जिसमें से करीब 10 हजार रुपये मशीनों के संचालन एवं रखरखाव पर खर्च होते हैं। उन्होंने बताया कि ऑयल मिल में उत्पादित सरसों तेल की आपूर्ति सूरजपुर एवं अंबिकापुर तक की जा रही है, जिससे उनके व्यवसाय को स्थानीय बाजार के साथ अन्य क्षेत्रों में भी पहचान मिल रही है।

कलेक्टर ने बसंती राजवाड़े के स्वरोजगार प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें व्यवसाय के विस्तार एवं अन्य आजीविका गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्थल पर स्वच्छता बनाए रखने, मशीनों के समुचित रखरखाव पर

विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संचालित आजीविका गतिविधियां ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संचालित आजीविका गतिविधियां ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित कर रही हैं। महिलाएं अपनी मेहनत, कौशल एवं उद्यमशीलता से परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में योगदान दे रही हैं।

अवैध परिवहन पर सेमल काष्ठ के 11 नग बड़े लट्टे सहित एक ट्रक जप्त



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वन परिक्षेत्र रामानुजनगर अंतर्गत सर्फिल प्रेमनगर के महेशपुर बीट में वन विभाग द्वारा अवैध वनोपज परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक ट्रक को अवैध सेमल काष्ठ के साथ जप्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात्रि वन परिक्षेत्राधिकारी रामानुजनगर के निर्देशन में वन परिक्षेत्र के स्टाफ द्वारा महेशपुर (चित्तखई) मेन रोड पर हाई स्कूल के समीप एक लाल रंग के टाटा ट्रक की जांच की गई।

उक्त वाहन का क्रमांक सीजी 10 बीएम 5938 पर सेमल प्रजाति के 11 नग बड़े काष्ठ लट्टे पाये गये। जिनके परिवहन के संबंध में आवश्यक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण वन विभाग द्वारा उक्त काष्ठ एवं वाहन को जब्त कर वन परिक्षेत्र रामानुजनगर परिसर में लाया गया। साथ ही प्रकरण में वन अपराध से संबंधित तथ्यों की जांच करते हुए नियमानुसार अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान संबंधित वनपरिक्षेत्र के कर्मचारीगण मौजूद रहे। वन विभाग द्वारा स्पष्ट किया है कि वन संपदा के अवैध कटाई, परिवहन एवं व्यापार के विरुद्ध सतत निगरानी रखी जा रही है। वन संपदा के संरक्षण एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 12 नवंबर को प्रारंभिक प्रकाशन, 11 दिसंबर तक दर्ज होंगे दावे-आपत्ति

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार 02 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों

के युक्तियुक्तकरण का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 12 नवंबर 2026 को निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन होगा तथा 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा, जिसके बाद 04 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

भाजपा शहर मंडल की कामकाजी बैठक सम्पन्न

आगामी कार्ययोजना के लिए कार्यकर्ताओं को दिया गया मार्गदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। शनिवार को भाजपा शहर मंडल की कामकाजी बैठक यहां विधायक कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में



मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलवाला, मंडल प्रभारी रितेश जायसवाल, सहप्रभारी थलेश्वर साहू, जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गर्ग तथा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अजय अग्रवाल अज्जू ने कार्यकर्ताओं

को संबोधित किया। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रत्येक बुध पर आवश्यक रूप से आयोजित एवं साप्ताहिक श्रवण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से बुध स्तर पर बैठक आयोजित कर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा इससे माध्यम से प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। स्वागत उद्बोधन मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा ने दिया। मंच संचालन मंडल महामंत्री राजू देवांगन तथा

आभार प्रदर्शन मंडल महामंत्री नीरज जिंदिया बंटी ने किया। बैठक में डॉ. एच.एन. चतुर्वेदी, शशिकिरण खेस, पार्षद प्रमोद तायल, ललन सोनवानी, प्यारलाल साहू, श्रीमती पिकी साहू, नीरज गुप्ता, धर्मवीर सोनी, एलडरमैन संजय केजरीवाल, मंडल उपाध्यक्ष अशरफ इराकी व श्रीमती सरोज साहू, मंडल मंत्री श्रीमती कौशल्या सिंह, अजय सिंह, शेखर शाहा, सत्यनारायण गुप्ता, संदीप जायसवाल, बजरंग राजवाड़े, भूपेंद्र राजवाड़े, किसान देवांगन, विनोद तिवारी, श्रीमती ज्योति देवांगन, मनोज सोनी, हिमांशु देवांगन, भुवनेश्वर साहू, अजित शर्मा, गुलाब साहू, सलमान खान, अर्जुन कुशवाहा, रामलाल चेरवा, वीरेंद्र सोनवानी, महेंद्र साहू, रविंद्र साहू सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

दो दिवसीय शिविर में 248 दिव्यांग बच्चों का पंजीयन, 97 को मिलेंगे सहायक उपकरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने और शासकीय सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में आयोजित दो दिवसीय आंकलन सह चिन्हांकन शिविर में सभी छह विकासखंडों के कुल 248 दिव्यांग बच्चों का पंजीयन किया गया। इनमें से 97 बच्चों को आवश्यक सहायक उपकरण के लिए चिन्हांकित किया गया, 75 बच्चे नए यूडीआईडी कार्ड के लिए पात्र पाए गए तथा 76 बच्चों को विद्यालय डिपाडीह (शंकरगढ़) में शंकरगढ़, कुसुमी एवं राजपुर विकासखंड के 138 बच्चों का पंजीयन हुआ, जिनमें 33 को सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकित किया गया, 50 यूडीआईडी कार्ड के लिए पात्र पाए गए और 55 को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहीं आज जिला ग्रंथालय बलरामपुर में बलरामपुर, रामचन्द्रपुर एवं वाड्पनगर विकासखंड के 110 बच्चों का पंजीयन किया गया, जिनमें 64 को सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकित किया गया, 25 यूडीआईडी कार्ड के लिए पात्र पाए गए तथा 21 को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

नरेन्द्र निरापूरे व जिला मिशन समन्वयक श्री चन्द्रभूषण प्रसाद गुप्ता के निर्देशन में ये शिविर आयोजित किए गए। 15 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डिपाडीह (शंकरगढ़) में शंकरगढ़, कुसुमी एवं राजपुर विकासखंड के 138 बच्चों का पंजीयन हुआ, जिनमें 33 को सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकित किया गया, 50 यूडीआईडी कार्ड के लिए पात्र पाए गए और 55 को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहीं आज जिला ग्रंथालय बलरामपुर में बलरामपुर, रामचन्द्रपुर एवं वाड्पनगर विकासखंड के 110 बच्चों का पंजीयन किया गया, जिनमें 64 को सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकित किया गया, 25 यूडीआईडी कार्ड के लिए पात्र पाए गए तथा 21 को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

कलेक्टर के निरीक्षण में आश्रम व आंबा केंद्रों में चरम पर मिली लापरवाही

अव्यवस्थाओं पर भड़की कलेक्टर ने जिम्मेदारों को जमकर लगाई फटकार, कारण बताओ नोटिस के दिए निर्देश



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। शैक्षणिक व्यवस्थाएं परखने कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रेमनगर विकासखंड अंतर्गत आदिवासी बालक आश्रम एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रम में साफ-सफाई एवं रखरखाव की कमियों, आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की कम उपस्थिति तथा नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन की गुणवत्ता में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए मंडल संयोजक, सुपरवाइजर, सीडीपीओ एवं निर्माण कार्य से संबंधित जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कमियों को तत्काल दूर कर बच्चों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर सहित

संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विकासखंड प्रेमनगर अंतर्गत आदिवासी बालक आश्रम का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं आश्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रम में साफ-सफाई, रखरखाव एवं बुनियादी सुविधाओं में कमियां पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आश्रम के जर्नलधार कार्य का भी अवलोकन किया। आश्रम की स्थिति एवं रखरखाव में लापरवाही पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडल

संयोजक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही आश्रम में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, रसोईघर एवं शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, परिसर की रंगाई-पुताई तथा

बच्चों से संवाद किया और बच्चों से बारह खड़ी, अंग्रेजी की वर्णमाला के बारे में पूछा। उन्होंने केन्द्र के अन्य गतिविधियों की भी जानकारी लेते हुए संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने बच्चों की कम



उपस्थित पाए जाने पर नाराजगी जाहिर करते शतप्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सुपरवाइजर एवं सीडीपीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र महुआरीपारा का निरीक्षण कर निर्माण

आवश्यक मरम्मत कार्य कराकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। **नवनिहलो से रुबरू हुई कलेक्टर** कलेक्टर ने प्रेमनगर विकासखंड के सेक्टर बकिरमा के आंगनबाड़ी केन्द्र सलेहपारा मण्डल और नवनिर्माण आंगनबाड़ी केंद्र महुआरीपारा का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र के

जिला बाल संरक्षण इकाई जिला : सरगुजा

दावा-आपत्ति

- बच्चे का नाम — वेदिका
- बच्चे का प्राप्ति दिनांक— 13.10.2026
- स्थान — सेवा भारती “मातृछाया” विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी अम्बिकापुर जिला : सरगुजा (छ०ग०)
- रंग — सांवला
- उम्र / जन्मतिथि— 05.10.2026

उक्त बालिका को दिनांक 13.10.2026 को बाल कल्याण समिति सरगुजा के आदेशानुसार सेवा भारती “मातृछाया” विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी नवापारा अम्बिकापुर में संरक्षित किया गया है।

सर्व संबंधित जो कि बालिका के वैधानिक पालक/ अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला सरगुजा (छ०ग०) एवं सेवा भारती “मातृछाया” विशेषीकृत दत्तक ग्रहण एजेंसी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०) में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त-दावा आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जावेगी। यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।

दूरभाष क्र.-8319227014

जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जी-262704059/2 अम्बिकापुर, जिला: सरगुजा (छ.ग.)

सीसी कैमरों की निगरानी में पीजी कॉलेज परिसर

बेहतर शैक्षणिक परिवेश की ओर बढ़े कदम

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनेक चुनौतियों एवं कमियों को दूर करते हुए अब धीरे-धीरे एक बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित शैक्षणिक परिवेश की ओर अग्रसर हो रहा है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पिछले कुछ महीनों में किए गए निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब परिसर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। महाविद्यालय में कक्षाओं की कमी लंबे समय से एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। इसे दूर करने के लिए विभिन्न मदों से नए निर्माण कार्य प्रारंभ किए गए हैं। क्लास रूम निर्माण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और आगामी कुछ महीनों में लगभग 15 अतिरिक्त कक्षाएं उपलब्ध हो जाएंगी। भारत सरकार की रुसा योजना अंतर्गत महाविद्यालय में मल्टीपरपस, गर्ल्स सेंटर का निर्माण कार्य



प्रगति पर है, जिसमें छात्राओं के लिए कौशल प्रशिक्षण केंद्र, फिजिकल फिटनेस सेंटर, साईंस एंड टेक्नोलॉजिकल डिजिटल सेंटर, कॉन्फ्रेंस और कोचिंग सेंटर, रीडिंग हॉल, लीगल हेल्प सेंटर, कल्चरल सेंटर, सेल्फ डिफेंस सेंटर, गर्ल्स एंड बॉयज टॉयलेट-वॉशरूम तथा दो कार्यालय बनाए जाने की योजना है। इससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों

को कक्षाओं की कमी से काफी राहत मिलेगी। महाविद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि शिक्षा, सुरक्षा, अनुशासन, सुविधा और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को केंद्र में रखते हुए महाविद्यालय को एक बेहतर एवं आदर्श उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में विकसित किया जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं परिसर में अनुशासन को

गणवेश एवं पहचान पत्र, हेल्प डेस्क की व्यवस्था

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए गणवेश अनिवार्य किया गया है। साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी को महाविद्यालय की ओर से पहचान पत्र जारी किए गए हैं, जिससे अनुशासन एवं संस्थागत गरिमा को बढ़ावा मिलेगा। महाविद्यालय के हेल्प डेस्क को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाया गया है। अब बाहर से आने वाले आगंतुकों को जानकारी के लिए परिसर में भटकने की आवश्यकता नहीं होगी।

शिकायतों के समाधान पर विशेष जोर

विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनने और उनके निराकरण के लिए शिकायत पेटी को सक्रिय किया गया है। प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मजबूत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर को सीसी कैमरा निगरानी व्यवस्था से सुरक्षित किया गया है। इससे परिसर की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी के साथ-साथ और अधिक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित होगा। छात्रावासों के लिए नवीन नियम एवं व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, जिनका उद्देश्य बेहतर सुविधाएं, अनुशासन, स्वच्छता और सुव्यवस्थित वातावरण बनाना है। अनुशासन व्यवस्था को

प्रभावी बनाने के लिए अनुशासन समिति के सभी सदस्यों को नियमित रूप से परिसर का भ्रमण करने के निर्देश दिए गए हैं। समिति द्वारा गतिविधियों एवं अनुशासन से संबंधित विषयों पर सतत निगरानी रखी जाएगी। स्थानीय जिला प्रशासन एवं पीडब्ल्यूडी के साथ बेहतर तालमेल से महाविद्यालय में सभी रिपेयरिंग कार्य लगभग पूर्ण होने की स्थिति में हैं तथा पुताई व्यवस्था भी की जा रही है।

चैतन्य देवियों की झांकी के छठवें दिन व्यसन मुक्ति और आंतरिक शुद्धता का संदेश

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरिय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र, नव विश्व भवन, चोपड़ा पारा द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की भव्य झांकी के छठवें दिन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आरती के साथ हुआ। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआईजी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवरात्रि में हम उपवास करते हैं, लेकिन हमें व्यसनों से दूर रहने का संकल्प भी लेना चाहिए। प्रत्येक दिन, प्रत्येक समय स्वयं को व्यसन मुक्त रखकर शुद्ध और पवित्र जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। कुलपति डॉ. राजेंद्र लाकपाले ने कहा कि नवरात्रि का वास्तविक संदेश अपने भीतर के विकारों का नाश कर सद्गुणों और अच्छी आदतों की स्थापना है। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाण्डेय ने कहा कि आध्यात्म और योग का उचित संगम नारी को सशक्त बनाता है। शक्ति स्वरूपा देवियों के माध्यम से नारी शक्ति का अद्भुत स्वरूप देखने को मिलता है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों के आध्यात्मिक कार्यों एवं चैतन्य झांकी की सराहना की। कार्यक्रम में मीना वर्मा एवं उनकी टीम ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। दिवंकल एवं मान्या के नृत्य ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। अतिथियों, ब्रह्माकुमारी बहनों एवं नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान की टीम द्वारा व्यसन मुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने चैतन्य देवियों की झांकी का दर्शन लाभ लिया। कार्यक्रम में शारदा अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल, मीना वर्मा, प्रज्ञा पाण्डेय, आयुषी मिश्रा, वरिष्ठ समाज सेवी मंगल पाण्डेय, अनिल कुमार मिश्रा तथा सेवा केंद्र संचालिका बीके विद्या दीदी ने भी सहभागिता की। चैतन्य देवियों की भव्य झांकी 20 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से रात 10.30 बजे तक श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुली रहेगी।



खांचाकूड़ा जंगल में वन विभाग ने अवैध कब्जे वाली फसल की नष्ट, झोपड़ियों को हटाया

आक्रोशित ग्रामीण पहुंचे कार्यालय, रेंजर की समझाइश के बाद शांत हुआ मामला

छ.ग.फ़ंटलाइन लखनपुर/अंबिकापुर।

सरगुजा जिले के लखनपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत खांचाकूड़ा जंगल में अवैध अतिक्रमण को लेकर वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई



की है। वन भूमि पर पेड़ काटकर कब्जा कर बोई गई फसल को विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नष्ट कर दिया और

झोपड़ी को हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई कंटिंदा सर्किल के पी-कक्ष क्रमांक 2259 में की गई। यहां सुखसाय पिता जागेश्वर राजवाड़े सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा एक एकड़ से अधिक वन भूमि पर पेड़-पौधों की कटाई कर अवैध रूप से फसल बो दी गई थी। यही नहीं झोपड़ियों का निर्माण भी किया गया था। इसकी शिकायत मिलने पर रेंजर रामनिवास दहायत के नेतृत्व में वन अमले ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

हर साल होता है अतिक्रमण

बताया जा रहा है कि खांचाकूड़ा जंगल में अतिक्रमण कोई नया मामला नहीं है। हर साल यहां पेड़ों की कटाई कर वन भूमि पर कब्जा कर फसल बो दी जाती है। वन विभाग समय-समय पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाता है और ग्रामीणों को दोबारा कब्जा नहीं करने की समझाइश भी देता है, इसके बावजूद दबंगों के चलते फिर से अतिक्रमण कर लिया जाता है। विभाग ने इस बार अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी है कि, भविष्य में दोबारा वन भूमि पर कब्जा किया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं को आगे कर किया विरोध

कार्रवाई के बाद शनिवार दोपहर अतिक्रमणकारी ग्रामीण महिलाओं को आगे कर लखनपुर वन परिक्षेत्र कार्यालय पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। ग्रामीण फसल नुकसान का मुआवजा मांगने लगे। काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। बाद में रेंजर रामनिवास दहायत द्वारा समझाइश दी गई, इसके बाद मामला शांत हुआ।

कोटवार के भाई की मुनादी के समय तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत

छ.ग.फ़ंटलाइन

अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के थाना रामानुजगंजर अंतर्गत ग्राम अमगांव के बेलपारा मुख्य मार्ग में 13 अक्टूबर को हुए सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में होलीक्रॉस अस्पताल चैकी पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम अमगांव निवासी मृतक राजेश देवांगन पिता स्व. कमलेश्वर देवांगन 32 वर्ष का भाई गिरजा शंकर तहसील रामानुजगंजर में कोटवार के पद पर कार्यरत है। 13 अक्टूबर को सुबह करीब 10.30 बजे राजेश देवांगन अपनी बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल से गांव में सोसायटी चावल के बंटवारे को लेकर मुनादी करने निकला था। इसी दौरान बेलपारा मेन रोड पर सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को ठोकर मार दी, जिसमें राजेश को कान के पास गंभीर चोटें आई थी। घायल को तत्काल ग्रामीण राजकुमार और अन्य तत्काल सूरजपुर शासकीय अस्पताल ले गए, यहां से प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने गंभीर स्थिति को देखते हुए अंबिकापुर रेफर कर दिया। होलीक्रॉस अस्पताल में तीन दिन तक चले इलाज के बाद 16 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा के प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाएं

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में स्वामित्व योजना की तहसीलवार समीक्षा की

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर।

कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टर सभाकक्ष में राजस्व विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। उन्होंने तहसीलवार राजस्व प्रकरणों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए लंबित सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग अपने समय सीमा के कार्यों में गंभीरता लाएं तथा आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने स्वामित्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख निर्माण कार्यों की तहसीलवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों एवं संबंधित राजस्व अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाते हुए 3



सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों का हो गुणवत्तापूर्ण निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निदेश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण कर उनका समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता से प्रगति लाएं, लंबे समय से कोई भी प्रकरण लंबित ना रहे। राजस्व से संबंधित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भूमि संबंधी विवाद तथा अन्य राजस्व प्रकरणों से जुड़ी शिकायतों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिए जाएं, रिकॉर्ड दुरुस्ती में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने पॉजिटिव फीडबैक बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

सहाय में प्रगति सुनिश्चित करने के करते हुए लंबित कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय

पर अधिकार अभिलेख उपलब्ध कराए जा सकें। कलेक्टर ने सभी तहसीलों के अविवादित नामांतरण एवं अविवादित बंटवारा के आवेदनों की समीक्षा करते हुए प्रकरणों के निराकरण में सभी तहसीलदारों को गंभीरता से प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में त्रुटि सुधार, नक्शा बटांकन, सीमांकन, नामांतरण, आधार सीडिंग, वृक्ष कटाई, डिजिटल हस्ताक्षर, किसान किताब पत्र, जेंडर प्रविष्टि, डीसीएस सर्वे, कोटवारी भूमि, अतिक्रमण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी आवेदन समय सीमा से बाहर नहीं होना चाहिए। सभी राजस्व अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें।

करमा नृत्य प्रतियोगिता से लौट रहे युवकों की बाइकें भिड़ीं, एक की मौत, चार घायल

छ.ग.फ़ंटलाइन जरही।

स्थानीय खेल परिसर में आयोजित करमा नृत्य प्रतियोगिता देखकर घर लौट रहे युवकों की बाइकों के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में गोंदा निवासी मुन्ना राजवाड़े की मौत हो गई, जबकि चार अन्य युवक घायल हो गए। घायलों में एक युवक की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को बेहतर उपचार के लिए अंबिकापुर रिफर किया गया है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर को जरही के खेल परिसर में करमा नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम देखकर लौट रहे ग्राम गोंदा निवासी युवकों की बाइक, ग्राम पलमा की ओर से जरही आ रही बाइक से टकरा गई। बताया जा रहा है कि एक बाइक में दो और



दूसरी बाइक में तीन युवक सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पांचों युवक हादसे में घायल हो गए। दुर्घटना में मुन्ना राजवाड़े की जान चली गई, जबकि अन्य चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस, जांच जारी

से घायल युवकों को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस मामले को जांच कर रही है। दुर्घटना के कारणों का पता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। वहीं हादसे के बाद प्रतियोगिता के आयोजन और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी वाले आयोजनों के दौरान यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था बेहद महत्वपूर्ण होती है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर ऐसे आयोजनों में सुरक्षा इंतजामों की आवश्यकता को सामने ला दिया है। अब देखा होगा कि पुलिस जांच में दुर्घटना के कारणों के साथ आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर भी कोई तथ्य सामने आते हैं या नहीं।

सुर-संगीत संघ ने दी किशोर कुमार को सुरमई श्रद्धांजलि

नए युवा कलाकारों को अवसर देना संस्था की सराहनीय पहल-मंजूषा भगत

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर।

सुर-संगीत संघ अंबिकापुर के तत्वावधान में महान गायक किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर स्थानीय कला केंद्र मैदान में ‘गाता रहे मेरा दिल, द लेजेड् किशोर दा स्वरांजलि’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय राजेंद्र लाकपाले, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, सभापति नगर निगम हरमिंदर सिंह टिन्नी, भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष, एमआईसी सदस्य मनीष सिंह के अलावा भाजपा वरिष्ठ नेता राजकुमार बंसल, मधुसूदन शुक्ला, मनोज कन्सारी, कमलेश तिवारी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में नगर के सभी सुधि श्रोताओं व संगीत प्रेमियों ने देर रात तक किशोर कुमार के शानदार गीतों का स्थानीय कलाकारों की आवाज में खूब आनंद लिया।

इस अवसर पर महापौर मंजूषा भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि शहर में गीत-संगीत से जुड़े ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए ताकि युवाओं को प्रोत्साहन मिले। नए युवा कलाकारों को अवसर देकर संस्था ने सराहनीय पहल की है। कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय राजेंद्र लाकपाले ने युवा कलाकारों को बधाई व



शुभकामनाएं दी तथा संगीत के क्षेत्र में अपना नाम रोशन करने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करते रहने की बात कही। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने इस आयोजन को अद्भुत बताया तथा शहर में लंबे समय बाद ऐसी गीत-संगीत की महफ़िल सजने पर खुशी जताते हुए इसे और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के दौरान अतिथि कलाकार गोपाल पांडेय, चंद्र प्रताप सिंह, स्वप्निल जयसवाल, मलय भट्टाचार्य, संजय वर्मा, संतोष दास सरल तथा अस्मि वर्मा ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नवोदित कलाकार विमल मंदिलवार, उन्मेष मिश्रा, राधेश्याम मानिकपुरी, नीतेश पांडेय, राकेश शुक्ला, अरुण अग्रवाल, सुप्रिया सिन्हा, हितेश सिंह, अमित तिवारी, रेखा देवांगन, राजकुमार देवांगन, भोला रक्सेल, रितेश दतवार, शिवम सिन्हा, शिवराज सिंह, राम मंगेशिया, गीता भूपाल, लीला आगरे, सूरज पाठक, लता

चौहान, ऋषभ यादव, पूरुम प्रजापति, प्रिया सिंह तथा प्रजावति भगत ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया जिस कारण अंत तक अतिथि व श्रोता अपनी जगह पर डटे रह गए। कार्यक्रम का संचालन सुर-संगीत संघ के जिलाध्यक्ष संतोष दास सरल ने तथा आधार प्रदर्शन संघ के सचिव राधेश्याम मानिकपुरी ने किया। इस अवसर पर पार्षद शैलेश सिंह, विजय सोनी, शशिकांत जयसवाल, विद्यानंद मिश्रा, सावित्री जयसवाल, प्रियंका चौबे, नीलू गुप्ता, कृष्णानंद तिवारी, विनय अंबट, बुद्धम श्याम, रंजित सारथी, डॉ. सपन सिन्हा, मंगल पांडेय, अभय तिवारी, तर्जंदर बग्गा, अनिल मिश्रा, अजय तिवारी, हरिशंकर सिंह, जय गुप्ता, दिनेश शुक्ला, बबलू गुप्ता, अनोश सिंह, अविनाश मंडल, डॉ. राजेश तिवारी, श्रीधर केशरी, शालिनी सिंह, अजय सोनी, जन्मेजय पांडे, शैलेन्द्र शर्मा, मनोज प्रसाद तथा अनुष्ठा शुक्ला सहित बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी व गणमान्यजन उपस्थित रहे।

हायर सेकेंडरी स्कूल सिलौटा में तीन दिवसीय अंतर-विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

छ.ग.फ़ंटलाइन सूरजपुर।

जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलौटा में तीन दिवसीय अंतर-विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक चले इस खेल महोत्सव में वालीबॉल, खो-खो और कबड्डी की प्रमुख स्पर्धाएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में आसपास के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों और हाई स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इनमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलौटा, करसी, जय गोंडवाना पब्लिक स्कूल सिलौटा तथा हाई स्कूल जवावल एवं बैकाना के प्रतिभागी मुख्य रूप से शामिल रहे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य नबी मोहम्मद खान एवं प्रधान पाठक शैलेश जायसवाल की देख-रेख में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में बालक वर्ग च्वालीबॉल में जय गोंडवाना पब्लिक स्कूल की टीम, बालक वर्ग कबड्डी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करसी व बालक वर्ग खो-खो में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलौटा की टीम विजेता रही। बालिका वर्ग कबड्डी एवं खो-खो दोनों ही स्पर्धाओं में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिलौटा की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन अवसर पर सभी खेलों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में रामविलास जायसवाल, विश्वनाथ सिंह एवं श्री बालकृष्ण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों की भूमिका में पीटीआई सोहन राम पैकरा, मनोज साहू, संजय साहू, भेषवती एवं मंजू कंवर मौजूद रहे। मंच संचालन सेराजुल हक एवं पंकज सिन्हा द्वारा किया गया।



गणित मेले का आयोजन, बच्चों ने स्टॉल लगाकर गणितीय अवधारणाओं को समझाया

सरनाडीह संकुल केंद्र में हुए आयोजन में 126 बच्चे और 9 शिक्षक हुए शामिल

छ.ग.फ़ंटलाइन बलरामपुर।

विकासखंड के सरनाडीह संकुल केंद्र में 15 अक्टूबर को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से गणित मेले का आयोजन किया गया। इसमें संकुल के सभी प्राथमिक विद्यालयों के 126 बच्चे, 9 शिक्षक तथा सीएसी, सीआरसी और बीआरसीसी शामिल हुए। मेले का उद्देश्य बच्चों को गणित की अवधारणाओं को सरल रोचक और गतिविधि आधारित तरीके से समझाना था।

मेले में संख्या पूर्व अवधारणा संख्या ज्ञान स्थानीय मान जोड़-घटाव और इबतारी सवाल जैसी गणित की प्रमुख अवधारणाओं पर अलग-अलग स्टॉल लगाए गए इन स्टॉलों को बच्चों ने स्वयं तैयार किया और गतिविधियों के माध्यम से गणितीय अवधारणाओं को समझाया। विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों को प्रत्येक स्टॉल पर खेल-खेल में गणित सीखने का अवसर मिला। मेले में पहुंचे बीआरसीसी, सीआरसी और सीएसी ने बच्चों की गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान बच्चों ने भी



अपने स्टॉल पर प्रस्तुत अवधारणाओं के आधार पर अधिकारियों से सवाल किए। बच्चों की इस सक्रिय भागीदारी ने मेले को और भी रोचक बना दिया। सभी गतिविधियां कक्षा पहली से तीसरी तक की आनंदमय गणित पाठ्यपुस्तकों और शिक्षकों द्वारा कक्षा में अपनाई जा रही शिक्षण पद्धतियों पर आधारित थीं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप बच्चों को रटने के बजाय समझ, तर्क और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया गया।

दीपावली अवकाश अब 6 दिन का, स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया संशोधित आदेश

छ.ग.फ़ंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए पूर्व में घोषित दीपावली अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए अब कुल 6 दिनों का अवकाश घोषित किया है। संशोधित आदेश के अनुसार प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों तथा डी.एड., बी.एड., एम.एड. महाविद्यालयों में 6 नवंबर से 11 नवंबर 2026 तक दीपावली अवकाश रहेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 16 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार पूर्व में 21 सितंबर को जारी शैक्षणिक कैलेंडर में दीपावली अवकाश 6 नवंबर से 10 नवंबर तक कुल 5 दिनों के लिए निर्धारित किया गया था। राज्य शासन ने उक्त आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए दीपावली अवकाश की अवधि एक दिन बढ़ाकर 11 नवंबर तक कर दी है। इस निर्णय से प्रदेश के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को दीपावली पूर्व के अवसर पर एक अतिरिक्त दिन का अवकाश मिलेगा।